दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियर: वर्ष: 3 : अंक: 262 | ग्वालियर, मंगलवार, 11 जुलाई 2023 | पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की जम्मू-कश्मीर पुलिस की सराहना

श्रीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, वीरता और कर्तव्य के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। जम्मू-कश्मीर पुलिस के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाहकी सराहना किसी सम्मान पदक से कम नहीं है। शाह ने समय की चुनौतियों और प्रकृति की अनिश्चितताओं का सामना करने के लिए स्थानीय पुलिस की सराहना की है। केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने ट्वीट में लिखा- सच्ची वीरता हमारे सम्मान और ईमानदारी के कार्यों में निहित है जो हमारे जीवन पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं। उन्होंने कहा इस कहावत को जम्मू-कश्मीर पुलिस के एएसआई दर्शन कुमार और एचसी सतपाल ने सही साबित कर दिखाया है। उन्हें एक बैग मिला, जिसमें 80,000 रुपये, मोबाइल फोन और यात्रा दस्तावेज थे। उन्होंने उसके मालिक का पता लगाया और उसे सब सौंप दिया। ईमानदारी की मिसाल बनने के लिए मैं उनकी सराहना करता हूं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस आपदा प्रतिक्रिया विंग के कर्मियों की भी सराहना की, जिसमें उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सभी बाधाओं के बावजूद राष्ट्र और मानवता की सेवा में हमेशा खड़े रहे हैं। प्रत्येक तीर्थयात्री को सुरक्षित अमरनाथ यात्रा प्रदान करने के हमारे लक्ष्य को पूरा करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा, पवित्र तीर्थस्थल से वापस लौटते समय एक एसडीआरएफ जवान द्वारा एक महिला यात्री को हिमालय के दुर्गम इलाके से 3 किमी तक अपनी पीठ पर ले जाते हुए एक तस्वीर साझा की जा रही है। मैं नागरिकों की सुरक्षा का प्रतीक बनने के लिए उनकी सराहना करता हूं। उन्होंने आगे कहा, आतंकवाद की चुनौतियों का सामना करना और अधिकांश कठिन समय में कानून और व्यवस्था बनाए रखना स्थानीय पुलिस की पहचान बन गई है। जम्मू-कश्मीर में शांति लाने के लिए पुलिस के अथक प्रयास देश के अन्य हिस्सों के पुलिस बल के लिए एक उदाहरण बन गया है। सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) पूर्ण तालमेल के साथ काम करते हुए आतंकवाद को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

दिल्ली अध्यादेश मामला: सुप्रीमकोर्ट ने केंद्र को जारी किया नोटिस, दो हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली। केंद्र के अध्यादेश पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा. वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने उप राज्यपाल (स्त्र) को राहत देते हुए पक्षकार बनने की इजाजत दी. बता दें कि सुप्रीम कोर्ट से तीन मुद्दों को छोड़कर ट्रांसफर-पोस्टिंग समेत अन्य चीजों की देखरेख का अधिकार दिल्ली सरकार को मिला था, लेकिन 19 मई को केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर फिर से दिल्ली का बॉस उप राज्यपाल को सौंप दिया. केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की. सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने उप राज्यपाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में स्त्र सुपर ष्टरूकी तरह काम कर रहे हैं. लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार के कामों को बाधित करने की कोशिश की जा रही है. दिल्ली सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई याचिका में कहा गया कि केंद्र ने अध्यादेश लाकर लोकतांत्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन किया है और चुनी हुई सरकार के अधिकारों को हड़पने की कोशिश की है. केंद्र का यह अध्यादेश, संघवाद के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर करता है. दरअसल, केंद्र सरकार ने दिल्ली के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 में संशोधन कर अध्यादेश लागू किया है. इस अध्यादेश के तहत राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण का गठन होगा. इसके तहत ट्रांसफर-पोस्टिंग और विजिलेंस का अधिकार होगा. दिल्ली के मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के प्रमुख होंगे. वहीं, दिल्ली के मुख्य सचिव, प्रधान गृह सचिव प्राधिकरण के सचिव होंगे. ट्रांसफर-पोस्टिंग का फैसला सिर्फ सीएम के पास नहीं होगा बल्कि बहुमत के आधार पर लिया जाएगा. यानी सीएम की सलाह के बाद उपराज्यपाल का फैसला अंतिम माना जाएगा .

पश्चिम बंगाल में 697 पोलिंग बूथ पर फिर से डाले जा रहे हैं वोट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के लिए 8 जुलाई को हुए मतदान के दौरान जमकर हिंसा हुई. जिसके चलके कई पोलिंग बूथ पर मतदान रद्द कर दिया गया. जिन पोलिंग बूथ पर मतदान रद्द किया गया है उन पर आज (सोमवार) को फिर से वोट डाले जाएंगे. बता दें कि रविवार को चुनाव आयोग ने राज्य को 697 पोलिंग बूथों पर दोबारा से मतदान करने का फैसला लिया. गौरतलब है कि शनिवार को पूरे प्रदेश में 74 हजार पंचायतों के लिए मतदान हुआ था लेकिन इस दौरान जमकर हिंसा हुई एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए. कई पोलिंग बूथों पर मारपीट, बूथ लूटने और आगजनी जैसे मामले भी सामने आए. इसके बाद आज राज्य के 19 जिलों के 697 पोलिंग बूथ पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरु होगा. जो शाम 5 बजे तक चलेगा.

बता दें कि पश्चिम बंगाल में शनिवार (8 जुलाई) को पंचायत चुनाव के लिए हुए मतदान के दौरान जमकर हिंसा हुई. इस दौरान मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिले हिंसा का केंद्र बन गए.

कूचबिहार में राज्य की सत्ताधारी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बैलेट बॉक्स तोड़ दिए, साथ ही उनमें पानी डाल दिया और आग लगा दी. इसके अलावा उत्तर दिनाजपुर में कई स्थानों पर बैलेट पेपर और चुनाव से जुड़ी सामग्री को आग के हवाले कर दिया गया. यही नहीं दक्षिण दिनाजपुर में भी बैलेट बॉक्स में पानी डालने की घटना सामने आई. इस हिंसा में कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए. इस हिंसा के बाद बीजेपी ने राज्य चुनाव आयोग को पत्र लिखकर दोबारा मतदान कराने की मांग की. इसके बाद रविवार को चुनाव आयोग ने राज्य के 697 पोलिंग बूथ पर दोबारा से मतदान कराने का फैसला लिया. पश्चिम बंगाल के जिन जिलों के पोलिंग बूथ पर पुनर्मतदान का फैसला लिया गया है उनमें पुरुलिया में 4, नादिया में 89, मुर्शिदाबाद में 175, पश्चिम मेदिनीपुर में 10, बीरभूम में 14, जलपाईगुड़ी में 14, दक्षिण 24 परगना में 46, अलीपुरद्वार में 1, हावड़ा में 8, उत्तर 24 परगना में 36, पूरब मेदिनीपुर में 31, कूच बिहार में 53, उत्तर दिनाजपुर में 42, दक्षिण दिनाजपुर में 18, माल्दा में 110, पूरब बर्धमान में 3, पश्चिम बर्धमान में 6, बंकुरा में 8 और हुगली जिले के 29 बूथ शामिल हैं. इनके अलावा बीरभूम और दक्षिण 24 परगना जिले के भी कई मतदान केंद्रों पर दोबारा वोट डाले जा रहे हैं. दक्षिण 24 परगना जिले में डायमंड हार्बर के 10, बिष्णुपुर में एक, बसंती में 4, गोसाबा में 5, जॉयनगर में 5, कुलताली में 3, जॉयनगर द्वितय में 3, बरुईपुर में 1, मथुरापुर में एक, मंदिर बाजार में 2, मगराहत में एक बूथ पर वोटिंग हो रही है. जबकि बीरभूम जिले में सिउरी में एक, खोयरासोल में 3, मयूरेश्वर द्ब में 2, मयूरेश्वर द्बद्ब में 4 और दुबराजपुर में तीन बूथों पर दोबारा वोट डाले जा रहे हैं.

रेप किया पीटा धमकाकर फरार हो गया रिक्शा चालक, पीड़ित की जुबानी पूरी कहानी!

महाराष्ट्र। हैवानियत की इंतहा! खबर माया नगरी मुंबई की है, जहां गोरेगांव के आरे कॉलोनी इलाके में एक 20 साल की लड़की के साथ थर्रा देने वाली वारदात पेश आई. इस दरिंदगी

का खुलासा तब हुआ, जब एक रोज अचानक उसके पेट से ब्लीडिंग होने लगी. जब उसके परिजन फौरन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, तो वहां डॉक्टर ने लड़की के पेट पर मौजूद तमाम घाव की तस्दीकी की. पूछने पर लड़की ने एक-एक कर हैवानियत का पूरा वाकया तफ्सील से बयान किया, जिसे सुन कर हर किसी की रूह कांप उठी... क्या था ये पूरा मामला आइये जानते हैं। दरअसल एक शाम ये लड़की अपनी मौसी के घर सीबीडी बेलापुर से लौट रही थी, बीच रास्ते इसने मुंबई लौटने के लिए एक रिक्शा बुलाया, जिसमें बैठकर ये कुछ दूरी का सफर तय करती है. इसी दरमियान उसे रिक्शाचालक की नीयत कुछ ठीक नहीं लगती, मगर वो कुछ कर पाती इससे पहले रिक्शा आरे कॉलोनी के करीब पहुंच जाता है, जहां एक निश्चित स्थान देख कर रिक्शा चालक, रिक्शा को रोक लेता है. अब यहां पहले वो इस लड़की के साथ मारपीट करता है, फिर उसका बलात्कार करता है और बाद में अपनी हवस बुझाने के बाद उसे धमकी देता है, कि अगर इस पूरी हरकत के बारे में उसने किसी को बताया होगा तो उसके साथ बहुत बुरा होगा... बस इतना बोलकर रिक्शा चालक वहां से फरार हो जाता है। 20 साल की ये लड़की भी रिक्शे वाले के खौफ में आकर चुपचाप घर लौट जाती है, कुछ दिन तक वो बिल्कुल गुमसुम रहती है. पूछने पर भी घर वालों को इस पूरी वारदात की भनक तक नहीं लगने देती है. मगर एक रोज अचानक उसके पेट से खून आने लगता है. ये देख हर कोई डर जाता है, फौरन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जाता है. जहां लड़की के घर वाले डॉक्टर को बताते हैं कि करीब 2 महीने पहले ही ऑपरेशन के बाद लड़की की डिलीवरी हुई थी, इसपर डॉक्टर बारीकी से चेकअप करता है, तो उसे कई घाव के निशान मिलते हैं. डॉक्टर समझ जाता है कि पेट से हो रही ब्लीडिंग और इन घावों का जरूर कोई न कोई संबंध है, ऐसे में वो उस 20 साल की लड़की से पूछताछ करता है, जिसपर लड़की उस दिन हुई हैवानियत की पूरी कहानी बयान करती है. घटना के एक-एक पहलु को सुनकर घर वालों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं, जिसके बाद परिवार पूरा मामला दर्ज करवाने नजदीकी आरे पुलिस थाना पहुंचता है.

देश के कई इलाकों में बाढ़ से हाहाकार

नई दिल्ली। देशभर में इन दिनों मॉनसून अपने पूरे शबाब पर है. हालांकि हर वर्ष की तरह इस बार भी कई इलाकों में मूसलाधार बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है. पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक जोरदार वर्षा के चलते कई इलाकों में तो बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं. खास बात यह है कि मौसम का मिजाज 15 से ज्यादा राज्यों में लोगों को लिए आफत बन चुका है. हिमाचल प्रदेश से लेकर क्या राजस्थान, क्या उत्तर प्रदेश और क्या राजधानी दिल्ली. हर जगह जल जमाव की स्थिति ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है. बाढ़ जैसे हालात लोगों के लिए किसी महामुश्किल की तरह सामने आएं. कोई अपना घर खो बैठा तो किसी ने अपनी आजीविका के साधन ही गंवा दिए हैं. देश के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालातों की पीछे दो बड़ी वजह हैं. खास बात यह है कि इसी वजह से चारधामों में से एक केदारनाथ धाम में भी प्राकृतिक आपदा ने हर किसी को हिला कर रख दिया था. आइए जानते हैं कि बाढ़ जैसे हालातों के पीछे क्या दो बड़ी वजह. देशभर में दिनों मॉनसूनी हवाओं जाल बिछा हुआ है. पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक हर जगह मॉनसून अपनी आदम दर्ज करा चुका है. यही नहीं कुछ इलाकों में तो स्थिति काफी बुरी हो चुकी है. कई घर तबाह हो गए तो कई जगहों सड़कों पर गर्दन तक पानी जमा हो गया है. एक्स्पर्ट्स की मानें तो इस स्थिति के पीछे मॉनसूनी हवाएं काफी हद तक जिम्मेदार हैं. इस बार कई राज्यों में बारिश ने बरसों की रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. मॉनसूनी हवाएं 22 से ज्यादा राज्यों में एक साथ चल रही हैं. आम तौर पर मौसम में बड़े बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ ही जिम्मेदार होता है. फिर चाहे वो चक्रवाती तूफान हों या फिर तूफानी हवाएं. पश्चिमी विक्षोभ का सीधा असर हमारे मौसम के करवट बदलने में जिम्मेदार होता है. इस बार भी जो कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं जिसमें मॉनसूनी हवाएं चल रही हैं उसके लिए पश्चिमी विक्षोभ को काफी हद तक जिम्मेदार माना जा सकता है. बता दें कि जब केदारनाथ में बादल फटे थे उस दौरान भी पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होना ही बड़ी वजह रही थी.

दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस में कॉलेज की गिरी दीवार, कई वाहन क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित है. भारी बारिश के चलते जर्जर इमारतें और दीवारें भी ढह रही हैं. इसी कड़ी में दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत आने वाले देशबंधु कॉलेज की दीवारी का एक हिस्सा गिर गया. इसमें आसपास खड़ी कारें क्षतिग्रस्त हो गईं. छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में ढहते बुनियादी ढांचे की शिकायत की. कॉलेज प्रशासन ने कहा कि बारिश के चलते दीवार गिर गई है. स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है. हाल ही में हंसराज कॉलेज में छात्रों पर एक पंखा गिर गया था. छात्रों ने इसकी भी शिकायत कॉलेज प्रशासन से की थी. हालांकि, अभी तक छात्रों को सिर्फ आश्वासन ही दिया गया है. वहीं, अब साउथ कैंपस के देशबंधु कॉलेज की चारदीवारी एक झटके में ढह गई. एसएफआई ने आरोप लगाया कि डीयू प्रशासन और अन्य सरकारी प्राधिकरण बुनियादी ढांचे के विकास और रखरखाव करने में हिलाहवाली कर रहा है. प्रशासन अगर पहले ही ध्यान दे देता तो आज इस तरह की समस्या नहीं आती. वहीं, बारिश के चलते सीलमपुर में भी दीवार गिरने की खबर है. मलबे में दो लोग दब गए थे. हालांकि, कड़ी मशक्कत के बाद लोगों को बाहर निकाला गया. दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया. फिलहाल दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है.

बता दें कि दिल्ली में पिछले तीन दिनों से झमाझम बारिश हो रही है. बारिश के चलते दिल्ली के कई इलाकों में

जलभराव हो गया है. लोगों को घरों से निकलना भी दूभर हो रहा है. सदर बाजार, कनाट प्लेस, मंडी हाउस समेत कई क्षेत्रों में भारी बारिश के चलते दुकानों में पानी घुस गया है. दिल्ली में बारिश ने 41 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. अभी तक दिल्ली में 153 मिमी बारिश दर्ज की गई है. मौसम विभाग ने दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया है. साथ ही अगले दो तीन दिन और बारिश की आशंका जताई है. बारिश के कारण रविवार को करोल बाग में एक इमारत गिरने से 68 साल की महिला की मौत हो गई थी. महिला जर्जर मकान में रह रही थी. बारिश के चलते मकान का एक हिस्सा गिर गया, जिसमें दबकर महिला की मौत हो गई.

दिल्ली में बारिश ने तोड़ा 40 साल का रिकॉर्ड, खतरे के निशान पर पहुंची यमुना

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में पिछले 3-4 दिनों से भीषण बारिश हो रही है. कई इलाकों में तो बारिश की वजह से सामान्य जन-जीवन तक अस्त-व्यस्त हो गया है तो कई क्षेत्रों में जल भराव की भीषण समस्या खड़ी हो गई है. दिल्ली ट्रैफिक के स्पेशल सीपी सुरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि दिल्ली में पिछले दो दिनों में बहुत बारिश हुई है और करीब 40 साल का रिकॉर्ड टूटा है. यहां पर यातायात चलता रहे इसके लिए पुलिस बल दो शिफ्ट में 3600 लोगों को तैनात किया गया था और प्रयास किया गया कि जहां भी जलभराव हो, जहां पर बारिश की वजह से यातायात में बाधा हो उस समस्या को जल्द से हल किया जाए. वहीं, ट्रेन सेवाओं पर बारिश के प्रभाव पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधरी ने कहा कि पिछले 2-3 दिन के बारिश की वजह से नदी, नाले , नहर उफान पर हैं और पानी ट्रैक पर आ गया है. ऐसी स्थिति में हम यातायात को बंद कर देते हैं. शनिवार शाम से कलका-शिमला लाइन बंद हुई, कल शाम को अंबाला की रूट पर पुल पर पानी आ गया था तो उसे बंद किया गया। अभी कुरुक्षेत्र के आगे जाना मुश्किल है. हम लोग निगरानी कर रहे हैं जैसे पानी का लेवल कम होगा हम ट्रेन संचालन शुरू करेंगे.

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता जयराम ठाकुर ने कहा कि पिछले 60 साल में ऐसा किसी नहीं देखा जिस तरह की स्थिति बनी हुई है. इस बार बारिश की मौसम में हिमाचल प्रदेश में बहुत बड़ा नुकसान हुआ है. फंसे लोगों को बचाया जा रहा है. हम लोग बचाव अभियान में वर्तमान सरकार को पूरा सहयोग दे रहे हैं. हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में द्बस्ब् निदेशक सुरेंद्र पॉल ने कहा कि पिछले 3 दिनों में हिमाचल प्रदेश में 200स्रूबारिश हुई है. 10 जिलों में रिकार्ड स्तर पर बारिश हुई है. आज सिरमौर, सोलन, शिमला, कुल्लू, मंडी और किन्नौर में रेड अलर्ट जारी किया गया है. कल से बारिश में काफी कमी आ

जाएगी. 2-3 दिन मानसून कमजोर रहेगा.

दिल्ली में यमुना के जलस्तर की बात करें तो यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पार पहुंच गया है. यमुना में खतरे का निशान 204.50 मीटर है और दोपहर 1 बजे तक यमुना का जलस्तर 204.63 मीटर दर्ज किया गया. दोपहर एक बजे 1,90,837 क्यूसेक पानी हथिनीकुंड बैराज से यमुना में छोड़ा गया है. लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी ने कहा कि बाढ़ को लेकर दिल्ली सरकार की पूरी तैयारी है. पानी का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है. पिछले 2 दिनों में ही पानी 8-10 फूट बढ़ चुका है. अगले 24 घंटे में 10-12 फूट पानी बढ़ने की उम्मीद है. हमारा अनुमान है कि हमें करीब 30 हजार लोगों को निकालने की जरूरत पड़ेगी. इसके लिए हमारी पूरी तैयारी हो गई है. दिल्ली में यमुना नदी में जलस्तर 203.58 मीटर है. कल सुबह इसके 205.5 मीटर तक पहुंचने की आशंका है. साथ ही, मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, यमुना में जल स्तर बहुत अधिक बढ़ने की उम्मीद नहीं है. अगर यमुना 206 मीटर के निशान को पार करती है, तो हम नदी के किनारे निकासी शुरू कर देंगे. दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार हाई अलर्ट पर है. जैसे ही यमुना नदी 206 मीटर के जलस्तर को पार कर जाएगी, हम नदी के किनारे निकासी शुरू कर देंगे. देश की राजधानी दिल्ली में द्बस्ब् वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने कहा कि हम कर रहे हैं, यह अधिक भी हो सकती है और हम निगरानी कर रहे हैं... आज दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है... हम उम्मीद कर रहे हैं कि कल से उत्तर-पश्चिम हिमालय क्षेत्र में बारिश थोड़ी कम हो जाएगी. उत्तराखंड के ष्ठत्रक्कअशोक कुमार ने कहा कि मौसम विभाग ने 9 जुलाई से 13 जुलाई तक अलर्ट जारी किया था. पूरे उत्तराखंड में कहीं रेड अलर्ट तो कहीं ऑरेंज अलर्ट है. इसमें एक दिन बीत गया है जो बहुत भारी रहा. कई रास्ते बंद हो गए हैं, नदियां खतरें के निशान पर हैं और कहीं-कहीं जानमाल की हानी भी हुई है. हमारा लोगों से अनुरोध है कि 13 तारीख तक अपनी यात्रा संभल कर करें.

शिवपुरी इकाई द्वारा मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया

विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन अपने 75 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा छात्र संगठन अपने स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण करने जा रही है, विश्व का एकमात्र छात्र संगठन जो अपने 75 वर्ष पूर्ण कर रहा है।में केवल और केवल नारे लगाना ना ही आंदोलन करना ना शोभायात्रा निकालना है अपितु इस देश के लिए अपना तन, मन और अपना जीवन अर्पित करने वाला उन बलिदानी क्रांतिकारी महापुरुषों विवेकानंद के विचारों विद्यार्थी परिषद के विचारों ज्ञान शील एकता को प्रत्येक विद्यालय, महाविद्यालय, एवं विश्विद्यालय के विद्यार्थी तक उनके संदेशों को पहुंचने का एक मात्र छात्र संगठन विद्यार्थी परिषद करती है। विश्व को वेदांत का

सिद्धांत देने वाले सनातन संस्कृति ध्वजवाहक के रूप उद्घोष देने वाले हम युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत, पूज्य स्वामी विवेकानंद जी के सिद्धांतो पर चलने वाला संगठन है जब भी देश पर किसी भी प्रकार की आपदा या विपदा आई विद्यार्थी परिषद प्रथम पंक्ति पर खड़े होकर मदद की विद्यार्थी की समस्याओं को आंदोलन, ज्ञापन, प्रदर्शन के माध्यम से उन समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किए है फिर यहां जम्मू कश्मीर में धारा 370हो, कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा फहराना हो, आपातकाल में उस समय की तानाशाही सरकार के खिलाफ आंदोलन हो ऐसे बहुत से कार्यक्रम विद्यार्थी परिषद ने इन 75 वर्षो में किए विद्यार्थी परिषद का मानना है की विद्यार्थी कल का नही आज का नागरिक है इस ध्येय को लेकर हम विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता है जो इस 75 वर्ष से कर रहे है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांत सह मंत्री श्री ऋषि सोनी जी एवं राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य कु मानवता साहू जी उपस्थित रहे।

गीता अध्याय 18 श्लोक 62 में गीता ज्ञान दाता अर्जुन को किसकी शरण में जाने के लिए कह रहा है

पुष्पांजलि टुडे से विजय परिहार की रिपोर्ट

शिवपुरी जिले के तहसील करेरा में रविवार के दिन संत रामपाल जी महाराज का सत्संग स्क्ष्ठ प्रोजेक्टर के माध्यम से किया गया जिसमें श्रद्धालुओं के साथ-साथ जनसामान्य और करैरा विधायक श्री प्रागीलाल जाटव जी, एवं नगर पालिका अध्यक्ष शारदा रावत 2/0 रामस्वरूप रावत और सत्संग का लाभ उठाया। तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज ने सभी धर्मों के शास्त्रों के प्रमाण दिखाएं और सिद्ध किया कि कबीर पूर्ण परमात्मा है। भगवत गीता में जिन्हें परम अक्षर पुरुष कहा गया है। गीता अध्याय 18 श्लोक 62 में गीता ज्ञान दाता ने अर्जुन को उसी परम अक्षर पुरूष (कबीर साहब) की शरण में जाने को कहा है। वह परम अक्षर पुरुष सतलोक में रहता है जो शाश्वत स्थान है। जहां परम शांति है।

जनसामान्य और श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक शांति के साथ सत्संग को सुना। आश्रम में भगतमति और भक्तों के अलग-अलग पंडाल थे। सत्संग के बाद इंटरव्यू के माध्यम से भक्तों द्वारा अपने अनुभव बताए गए जिनको सुनकर सभी आश्चर्यचकित थे और बंदी छोड़ सतगुरु रामपाल जी महाराज की जय जयकार कर रहे थे। सत्संग के बाद ज्ञान को समझकर अनेक लोगों ने प्रथम नाम दीक्षा भी प्राप्त की। गर्मी को देखते हुए शिकंजी प्रसाद की व्यवस्था की गई। आश्रम के सभी सेवादार बहुत श्रद्धा और नम्रता के साथ हाथ जोड़कर अपनी सेवाएं कर रहे थे। ज्ञानगंगा,जीने की राह पुस्तक के साथ-साथ अन्य धार्मिक पुस्तकों की स्टाल लगाई गई। तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज और उनके अनुयाई सच्चे समाज सुधारक का कार्य कर रहे हैं। इनका उद्देश्य वास्तविक आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराकर लोगों के जीवन का कल्याण करना है और पूरे विश्व में शांति स्थापित करना है। समाज में फैले भ्रष्टाचार, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या, रिश्वतखोरी और अन्य बुराइयों को समाप्त करना हैं।

सुरक्षित पर्यटन स्थल के अंतर्गत हित धारक कार्यशाला आयोजित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की परियोजना महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल के अंतर्गत रागनी फाउंडेशन द्वारा एक हित धारक कार्यशाला गतदिवस आयोजित की गई।इस कार्यशाला में जिला पुरातत्व सांस्कृतिक एवं पर्यटन परिषद के प्रबंधक सौरव गॉड, सहायक प्रबंधक देव सोनी, सिंधिया छतरी परिषद के मैनेजिंग ट्रस्टी अशोक कुमार मोहिते, जिला यातायात सूबेदार अरुण कुमार यादव मौजूद रहे। साथ ही जिला ऑटो रिक्शा यूनियन के पदाधिकारी व सदस्य भी शामिल रहे।इस कार्यशाला में सर्वप्रथम रागिनी फाउंडेशन के जिला समन्वयक ऐरिस अफगानी मंच पर आसीन सभी पद धारकों का स्वागत किया गया और सभी का आभार व्यक्त किया एवं मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की परियोजना महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल के बारे में बताया गया। अशोक कुमार मोहित द्वारा ऑटो यूनियन के सभी सदस्यों और सभी उपस्थित सहभागीयों को पर्यटन में परिवहन की भूमिका के बारे में बताया गया। सौरभ

कुमार द्वारा सभी ऑटो यूनियन के सदस्यों को बताया गया कि वह किस प्रकार अपने जिले का महिमा मंडन कर व अच्छा व्यवहार कर पर्यटक को आकर्षित कर सकते हैं और उनकी यह भूमिका किस प्रकार पर्यटन को लाभान्वित कर सकती है। उन्होंने बताया गया कि किस प्रकार महिलाओं को परिवहन के जरिए टूरिज्म से जोड़ने पर जिला प्रशासन रोजगार प्राप्त करने में उनकी सहायता करेगा।इसी क्रम में यातायात सूबेदार अरुण कुमार यादव द्वारा सभी उपस्थित सहभागियों को बताया गया किस ट्रैफिक नियमों का पालन कर व अच्छा व्यवहार कर वह अपने शहर का प्रतिनिधित्व पर्यटक के समक्ष कर सकते हैं। ऑटो रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष बनवारी धाकरे द्वारा सभी ऑटो रिक्शा यूनियन के सदस्यों को पर्यटन का साथ देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम के अंत में रागिनी फाउंडेशन के समन्वयक ऐरिस अफगानी द्वारा सभी को मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के अंतर्गत आने वाले दिनों में कराई जाने वाली ई रिक्शा ऑटो ड्राइवर कौशल प्रशिक्षण के बारे में बताया गया तथा इच्छुक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन कौशल प्रशिक्षण के लिए किया गया। रागनी फाउंडेशन द्वारा तैयार किए गए संकल्प सुरक्षित पर्यटन के स्टीकर सभी ऑटो रिक्शा पर चिपकाए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी ऑटो रिक्शा ड्राइवर ने सुरक्षित पर्यटन स्थल व सुरक्षित यात्रा का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 128 लोग शामिल रहे।

पुलिस थाना तेंदुआ द्वारा कार्यवाही करते हुये एक लोडिंग वाहन मे से 14 पेटी देशी शराब की जप्त कर आरोपी चालक पर की कार्यवाही

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

__शिवपुरी__-पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह जी के द्वारा जिले मे अवैध शराव की विक्री एवं परिवहन को रोकने हेतु एवं अवैध शराब के खिलाफ जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देशों के पालन मे श्रीमान अति0 पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया एवं स्क्ष्ह्क्क कोलारस श्री विजय कुमार के कुशल मार्गदर्शन में पुलिस थाना तेंदुआ द्वारा आज दिनांक 10.07.2023 को मुखबिर सूचना पर से एक लोडिंग वाहन से 14 पेटी देशी शराब की जप्त कर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की है । पुलिस थाना तेंदुआ पर मुखबिर सूचना मिली की एक नीले रंग के लोडिंग मे एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर पहाड़गढ़ तरफ से आ रहा है । उक्त सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी तेंदुआ उनि. मनीष सिंह जादौन के नेतृत्व मे एक पुलिस टीम थाने से रवाना होकर पाली राजगढ़ रोड़ तिराहे के पास पहुंचे, पुलिस टीम द्वारा तिराहे पर वाहन चैकिंग लगायी गई, थोडी देर वाद राजगढ़ तरफ से एक छोटा लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी 33 एल 2708 नीले रंग का आता दिखा जिसे पुलिस टीम की मदद से रोककर चैक किया तो उसमें पीछे पांच राजश्री पान मसाला के बडे नीले थैले एवं एक विमल पान मसाला एवं एक सागर पान मसाला के बडे लाल रंग के थैले रखे हुए थे जिनकों खोलकर चैक किया तो प्रत्येक थैले में दो-दो पेटी देशी प्लेन शराब कुल 14 पेटी की रखे पायी गयी, उक्त पेटियों पर लिखा है । उक्त लिडिंग वाहन चालक से उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम राजेन्द्र कुमार पुत्र द्वारिका प्रसाद बंसल उम्र 40 साल निवासी जोगी मोहल्ला तारेश्वरी कॉलोनी थाना देहात जिला शिवपुरी का होना बताया । लोडिंग चालक से शराब लाने ले जाने के संबंध में वैध लायसेंस चाहा तो ना होना वताया । उक्त व्यक्ति का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से पेटियों को खोलकर चैक किया तो प्रत्येक पेटी में 50-50 क्वाटर कुल 700 क्वाटर देशी प्लेन शराब भरे हुए पाये गये । एक क्वाटर में 180 एमएल शराब भरी हुई हैं 700 क्वाटर में कुल शराब 126 लीटर कीमती 56000 रुपयें एवं छोटा लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी 33 एमएल 2708 नीले रंग का कीमती 2 लाख 50 हजार रुपये को विधिवत जप्त कर पुलिस थाना तेंदुआ पर अपराध क्रमांक 100/2023 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का कायम कर विवेचना मे लिया गया । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मनीष सिंह जादौन का.प्र.आर. 548 दीपचन्द मय आर. 883 अनूप जाट आर. 1115 आशीष पाराशर आर. 936 अमरीश कुमार आर.1056 प्रवेश कुमार आर. चालक 117 रामअवतार गुर्जर की अहम भूमिका रही ।

खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने सोमवार को शिवपुरी भ्रमण पर रही और स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक की और विभागीय कार्यों की समीक्षा की। खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने निर्देश देते हुए कहा कि जो सड़कें खराब अवस्था में है उनकी मरम्मत कराई जाए। उन्होंने झांसी रोड़ को शीघ्र दुरस्त करने के संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समस्याओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा निर्धारित करके करें। मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि शहर में किए जा रहे पेवर्स के कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, जिससे बाद में किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त न हो। इस दौरान उन्होंने विद्युत विभाग के प्रबंधक से पड़ोरा में स्थित पावर हाउस की जानकारी भी ली और पड़ोरा और शेरगढ़ के बीच बिजली दुरूस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पड़ोरा में पावर हाउस को जल्द तैयार किया जाए और गुणवत्ता के साथ कार्य को शीघ्र किया जाए। गुणवत्ताहीन कार्य किए जाने पर संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शहर में ऑटो, टैक्सी के खड़े करने के लिए चिंहित स्टेण्ड के कार्य की जानकारी ली। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर विवेक रघुवंशी, एसडीएम शिवपुरी रवि गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि, अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निपुण भारत के दो वर्ष, एफ एल एन शिक्षा के क्षेत्र में 'गेम-चेंजर' हो सकता है :सांसद डॉ केपी यादव

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-निपुण भारत मिशन प्राथमिक स्तर पर शिक्षा प्रदान करने के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण अपनाता है. यह एफ एल एन कौशल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मिशन अधिगम के पांच क्षेत्रों पर ध्यान देगा.आजादी के पश्चात, भारत सरकार के समक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती थी कि किस प्रकार स्कूल जाने वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मूलभूत सेवाएं दी जाए. इस चुनौती की समाधान के लिए सरकार ने 1968 और 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कुशल नेतृत्व में संविधान संशोधन के माध्यम से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को एक मौलिक अधिकार बनाया गया और एन डी ए सरकार द्वारा सर्व शिक्षा अभियान का संचालन भी किया गया.हालांकि, जैसे ही भारत 21वीं सदी में प्रवेश कर रहा है, निस्संदेह उसे आधुनिक दुनिया की जरूरतों में शिक्षा और रो?गार को बढ़ावा देने वाली एक सकारात्मक और समग्रनीति की आवश्यकता है. शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण बदलाव हमारी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के 2014 के घोषणापत्र का भी महत्वपूर्ण हिस्सा थी. जनता द्वारा 2014 में ऐतिहासिक बहुमत मिलने के पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाने के लिए एक परामर्श प्रक्रिया शुरू की जो लगभग 5 वर्षों तक चली और इसमें शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारक जैसे विद्यालय, शिक्षक, छात्र और गैर-सरकारी संस्थाओं के विचारों को भी सुना गया जिसका परिणाम था कि 2020 में एक व्यापक और समग्र राष्ट्रीय शिक्षा निति की संरचना की गई जिसका उद्देश्य है भारत को विश्व गुरु बनाना.2020 और मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता हमारे प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों से भारत में 34 वर्षों बाद एक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक प्राथमिक शिक्षा में 100त्न त्नश्वक्र (सकल नामांकन अनुपात) और उच्च शिक्षा में 50त्न त्नश्वक्र हासिल किया जाए. इस नीति के माध्यम से शिक्षा में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निवेश के प्रावधान भी किये गए हैं जिसके परिणाम स्वरूप भारत सरकार द्वारा सकल घरेलु उत्पाद का 6 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा और छात्रों के विकास में उपयोग किया जायेगा.राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक मुख्य केंद्र बिंदु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना है, जो भारत जैसे देश में अत्यंत महत्वूर्ण है क्योंकि हम विश्व के सबसे युवा देश हैं और हमारा वर्तमान और भविष्य दोनों इस देश के बच्चों और युवाओं पर निर्भर है जिन के सशक्तिकरण का एकमात्र साधन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है. 2014 से पहले प्राथमिक शिक्षा से सम्बंधित नीतियों का पूरा ध्यान सिर्फ बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाने पर केंद्रित था. हालांकि, इन नीतियों में शिक्षा की गुणवत्ता और कक्षा के भीतर बुनियादी शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया गया.विश्व बैंक की रिपोर्ट ने, भारत में स्कूल में पढ़ रहे बच्चों को मिल रही शिक्षा की वास्तविकता उजागर की है और बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल (एफ एल एन) की कमी की ओर भी इशारा किया है.एफ एल एन का अर्थ है कि बच्चों को वो योग्यता हासिल हो जिसके जरिये छात्र पढ़ने लिखने, बोलने और व्याख्या करने में सक्षम हो सके. इसके साथ ही दिन-प्रतिदिन की समस्याओं को हल करने के लिए मूलभूत संख्यात्मक विधियों और विश्लेषण का उपयोग करने की क्षमता ग्रहण कर सके. इन कौशलों में आयु-उपयुक्त पाठ को समझने की क्षमता और आयु-उपयुक्त गणित करने की क्षमता शामिल है. इन कमियों की पहचान ह्वश्वक्र2020 द्वारा की गई थी और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में 5 करोड़ से अधिक बच्चों ने एफ एल एन हासिल नहीं किया है और देश के सभी बच्चों द्वारा एफ एल एन कौशल की प्राप्ति को 'सर्वोच्च प्राथमिकता'

भी दी गई है.शुरुआत से ही एफ एल एन के महत्व पर जोर देते हुए इसमें कहा गया है, ÷हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता 2025 तक प्राथमिक और उसके आगे सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने की होनी चाहिए. यदि हम सबसे पहले एक महत्वपूर्ण मूलभूत शिक्षण को प्राप्त नहीं कर पाते हैं, तो शेष नीति हमारे छात्रों की एक बड़ी संख्या के लिए मुख्य रूप से अप्रासंगिक हो जाएगी.राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा दिये तर्क मान्य है और वर्तमान में शिक्षा प्रणाली में बच्चों को प्रभावी ढंग से 'सीखकर पड़ने' से पहले 'पढ़कर सीखना' आना जरूरी है. विभिन्न शोध में यह बात स्थापित की है कि एफ एल एन को आदर्श रूप से कक्षा 3 तक हासिल किया जाना चाहिए क्योंकि प्रारंभिक वर्षों के दौरान यह तार्किक सोच को विकसित करता है. कक्षा 3 तक पढ़ने और लिखने के बुनियादी सिद्धांतों और बुनियादी गणित को समझने में असफल होने के कारण, वे उच्च कक्षा में अधिक कठिन विषयों का सामना करने में असमर्थ हो जाते हैं, जिससे अंततः उन्हें शिक्षा छोड़नी पड़ती है.

निपुण भारत: एक परिवर्तनकारी हस्तक्षेप-हमारी सरकार ने समावेशी विकास की विचारधारा के अधीन इस गंभीर समस्या को चिन्हित किया और इसका समाधान करने हेतु 5 जुलाई 2021 को निपुण भारत मिशन (नेशनल इनिशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी) की शुरुआत की. इस मिशन के अंतर्गत सरकार का लक्ष्य है कि 2026-27 तक प्रत्येक बच्चे को तीसरी कक्षा के अंत तक पढ़ने, लिखने एवं अंक गणित को सीखने की क्षमता प्रदान की जाएगी और इसके लिए सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालयों के छात्रों की शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाएगा. इस मिशन को समग्र शिक्षा अभियान के अधीन संचालित किया गया है और इसके कार्यान्वन हेतु 13,000 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान भी किया गया है.निपुण भारत मिशन प्राथमिक स्तर पर शिक्षा प्रदान करने के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण अपनाता है. यह एफ एल एन कौशल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मिशन अधिगम के पांच क्षेत्रों पर ध्यान देगा. पहला बच्चों को उनकी स्कूली शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में पहुंच प्रदान कराना और उनको स्कूलों में बनाए रखना. दूसरा, शिक्षक क्षमता निर्माण, तीसरा, उच्च गुणवत्ता एवं विविधता पूर्ण छात्र एवं शिक्षण संसाधनों/अधिगम सामग्री का विकास, अधिगम परिणाम उपलब्धि में प्रत्येक छात्र की प्रगति को ट्रैक करना तथा बच्चों का पोषण और स्वास्थ्य (मानसिक स्वास्थ्य सहित) पहलुओं के समाधान पर ध्यान देना. इसका उद्देश्य हमारे बच्चों को समग्र, आनंददायक और उत्पादक शिक्षण अनुभव के माध्यम से सीखने और बढ़ने के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करना है।

राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका-यह योजना सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण है क्योंकि शिक्षा भारतीय संविधान के अंतर्गत सातवीं अनुसूची के समवर्ती सूचि के अधीन आता है जिसमे केंद्र और राज्य सरकार को इस विषय पर कानून और नीति निर्धारित करने का समान अधिकार है. इस मिशन के माध्यम से केंद्र सरकार ने विस्तृत दिशा निर्देश बनाए हैं और इस योजना के कार्यान्वयन के लिए सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 5 स्त्रीय तंत्र स्थापित किया जाएगा.

एक प्रभावी राज्य- एफ एल एन मिशन के लिए, राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सर्व प्रथम, एफ एल एन के महत्व के बारे में जागरूकता ब?ाई जाए, दूसरा, एफ एल एन के लिए समर्पित बजट का आवंटन किया जाए, तीसरा एफ एल एन के आसपास सार्वजनिक व्यवस्थाओं का निर्माण किया जाए और चौथा, एफ एल एन के प्रभाव का आंकलन करने हेतु एक **सुदृढ़ प्रणाली का निर्माण**-मध्यप्रदेश राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी भूमिका निभाई है और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में मिशन अंकुर के माध्यम से एफ एल एन क्रांति का नेतृत्व किया है. मध्यप्रदेश सरकार ने इस मिशन के अंतर्गत सराहनीय कार्य किया है जिसकी प्रशंसा पूरे देशभर में की जा रही है और निपुण भारत द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए व्यापक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमे प्रमुख तौर पर 90,000 से अधिक शिक्षकों का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण किया गया है.युवाओं की प्रशासन और शिक्षा सुधार प्रणाली में भागीदारी बढाने के लिए भी मध्यप्रदेश सरकार ने निपुण प्रोफेशनल्स प्रोग्राम शुरू किया है जिसमें शिक्षित और अनुभवी युवा प्रशासनिक अधिकारीयों के साथ निपुण भारत के कार्यान्वन का आंकलन करेंगे और अपने नवीन विचारों और सुझावों से इस योजना को बेहतर बनाएंगे. भाजपा शासित प्रदेश जैसे, उत्तर प्रदेश (निपुण उत्तर प्रदेश), हरियाणा (निपुण हरियाणा) और असम (निपुण एक्सेस) ने भी इस योजना में व्यापक प्रगति की है और निपुण भारत के प्रारंभ होने के साथ अपने संबंधित एफ एल एन शुरू किये है.निपुण भारत मिशन की सफलता हमारी भावी पीढ़ियों और हमारे बच्चों के लिए उनकी असीमित क्षमता हासिल करने का मार्ग प्रशस्त करेगी. यह परिकल्पना केन्या, ब्राजील और फिलीपींस जैसे अन्य देशों द्वारा भी लागू की गई और इसके परिणाम भी इन देशों की शिक्षा व्यवस्था पर देखा गया है जो साबित करती है कि एफ एल एन का कार्यान्वयन शिक्षा के क्षेत्र में 'गेम-चेंजर' हो सकता है. 2047 तक वैश्विक कार्यालय का 25त्न से अधिक भारतीय लोग होंगे और एक जनप्रतिनिधि होने के नाते हमारा दायित्व है कि हमारा भविष्य निर्धारित करने वाले बच्चों की क्षमताओं का निर्माण करने के लिए निपुण भारत द्वारा निर्धारित लक्ष्य को एक समय सीमा के अंदर पूरा किया जाए और दो वर्ष में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने का जो काम इस अभियान द्वारा किया गया है, उसको भविष्य में और भी प्रभावशाली बनाया जाए।

दो दिवसीय बेंगलूरु एक्सो एंड ट्रेड शो सम्पन्न

बीटूबी एवं बीसी तर्ज पर दो दिवसीय आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरु। शहर के श्री ब्यावर संघ युवा शाखा और अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन

द्वारा माइक्रो लैब्स के मुख्य सौजन्य से बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो का आयोजन वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में किया गया। ट्रेड शो के संयोजक ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत करते हुए अतिथियों का परिचय दिया और बताया कि प्रदर्शनी का उद्घाटन कर्नाटक सरकार के श्रम मंत्री संतोष एस लाड, आयकर अधिकारी राजेश परदेशी व मेदिनी गरुडाचार द्वारा फीता काटकर और दीप प्रज्वलन करके किया गया, उद्घाटन समारोह में भारतीय व्यापार संगठन के राष्ट्रीय कमेटी सदस्य प्रकाश पिरगल, गाला ग्रुप के चेयरमैन किरण गाला, धीर साप्ताहिक ग्रुप के संस्थापक धीरेंद्र कुमार, स्वामित्वा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर महावीर मेहता के साथ श्री ब्यावर संघ युवा शाखा अध्यक्ष ललित डाकलिया महामंत्री कुलदीप छाजेड़ अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, महामंत्री प्रशांत सिंघी के साथ समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। महावीर धर्मशाला में आयोजित बेंगलूरु एक्सपो एंड ट्रेड शो के पहले दिन से ही ग्राहक उमड़ पड़े। फेडरेशन के मंत्री प्रशात सिंघी ने प्रदर्शनी के उद्देश्य व आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उद्घाटन के मौके पर मंत्री संतोष लाड ने कहा कि जैन समाज व्यापार के साथ साथ मानवसेवी कार्यों में भी आगे हैं। जैन समाज को व्यापार करने के साथ ही कानून, नियमों की अच्छी जानकारी होती है। प्रदर्शनी के दोनों दिनों में बेंगलुरु के समस्त समाजों के आगेवान पदाधिकारियों का आगमन हुआ और सभी का कार्यकारिणी की ओर से बहुमान अभिनंदन भी किया गया। प्रदर्शनी में समस्त कार्यों में विकास खटोड़, ललित धारीवाल, नमित कोठारी, भरत कोठारी, कुशल चौपड़ा, हेमन्त गुलेच्छा, विजयराज लोढा, के साथ महिला टीम से चंद्रकला डाकलिया प्रीति सिंघी, गीता काटेड, कोमल डाकलिया, रेखा लोढा, प्रतिभा पगारिया एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

एक शाम भगवान शिव शंकर के नाम भजन संध्या का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। *मागडी रोड़ स्थित श्री देवासी राईका समाज कर्नाटक के भवन में श्रावण के सोमवार के उपलक्ष में रविवार रात्री को जागरण का आयोजन किया गया । आयोजित सामोरह में श्री भगवान शिव शंकर का दरबार सजाया गया। जागरण का शुभारंभ गणपति वंदना से हुआ। भजन गायक मेराराम प्रजापत, सोहनलाल मालवीया, रमेश पारसमल हनुमान तिलोक माली एण्ड पार्टी की ओर से भजनों की प्रस्तुतियां दी। गायकों ने प्रस्तुत भजन,,गुरू म्हरा मेहर करो, धरू आपरों ध्यान इत्यादि भजनों पर देर रात तक श्रद्धालु झूमते रहे। पुरा परिसर जय भोले शिव शंकर के जयकारों से गुंजामन हो गया । इस महोत्सव के प्रसादी के लाभार्थी उपाध्यक्ष छोगाराम सांगावत एवं मित्र मंडल रहे। संस्था के पूर्व अध्यक्ष एच. भानाराम देवासी ने स्वागत किया । इस अवसर पर संस्था के सचिव मोतीलाल खाटाणा कोषाध्यक्ष नेमीचंद नांगु संरक्षक मेहताब राम मोडावत, गुमान नांगु सहित समाज के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।*

प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वकर्मा जन संगठन म. प्र. एवं कार्यालय मंत्री भाजपा मंडल मौ आश्रम स्वर्ग सदन ग्वालियर एवं कई जगह पर जन्म दिन मनाया गयाः डॉ बेताल सिंह गौड़

विश्वकर्मा जन संगठन को खड़ा करने वाले युवाओं के दिलों की धड़कन, समाज के सुख दुख में साथ देने वाले, शिक्षित, संघर्षशील जनप्रिय समाजसेवी

उप संपादक महेंद्र शर्मा पुष्पांजलि टुडे

डॉ. बेताल सिंह गौड़ मौ से ग्वालियर

आश्रम सेवा सदन में शाम 4ः00 बजे स्वल्पाहार वितरण करके सभी अनाथ बेसहारा लोगों एवं विश्वकर्मा जन संगठन के क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं के बीच बड़ी धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया। एवं पुरुषोत्तम बनोरिया जी ने अपने निज निवास पर स्वागत कर जन्मदिन मनाया और समस्त मौ मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद उपाध्यक्ष के नेतृत्व में सभी भाजपा क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं के बीच होटल में केक काटकर जन्मदिन मनाया गया एवं 10 वृक्षारोपण लगाकर पर्यावरण सुरक्षित का संकल्प लिया डॉ. बेताल सिंह गौड़ ने सभी क्षेत्रवासी और समाज बंधुओं से बहुत-बहुत धन्यवाद बोलकर आभार प्रकट किया कहा कि हम सदा आप सभी के ऋणी रहेंगे और समाज हित एवं अनाथ बेसहारा लोगों की मदद हमेशा करते रहेंगे।

धर्मगुरू दीवान माधवसिंह ने मरीना बीच पर कबतूरों को किया दाना वितरण

पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

चेन्नई- सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान माधवसिंह ने सोमवार सुबह को मरीना बीच चेन्नई पर कबुतरों को दाना वितरण किया । इस कार्यक्रम में भगाराम सोलंकी ,भीमराज माली , खीमचंद सुराणा ,जगदीश सीरवी , हरदेव गुजर समेत बडी संख्या लोग मौजूद रहे । इस अवसर पर धर्मगुरू दीवान साहब का माला पहनाकर स्वागत किया गया । भगाराम सीरवी ने बताया की कबूतर दाना वितरक समिति के सौजन्य से ये कार्यक्रम प्रतिदिन किया जाता है। उन्होनें कहा की धर्मगुरू दीवान माधवसिंह अगले कुछ दिनों चेन्नई के बडेर का अवलोकन करेंगे।

अम्बाह आज ब्लॉक कांग्रेस कमेठी ने एफआईआर बापिस करो को लेकर बिरोध प्रर्दशन किया.

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह...आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अम्बाह के अध्यक्ष उमाचरण कटारे जी के नेतृत्व में श्री राहुल गांधी जी की सजा यथावत रखने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी मुरैना जिला अध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर जी,शहर अध्यक्ष दीपक शर्मा जी,किसान कांग्रेस के अध्यक्ष दिनेश गुर्जर जी सहित 9 नामजद और 40 कांग्रेसी नेताओं पर प्रधानमंत्री मोदी का पुतला दहन करने पर हुई स्वढ्ढकको निरस्त करने के लिए आज रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन कर अनुविभागीय अधिकारी अम्बाह को महामहिम माननीय राज्यपाल महोदय जी के नाम ज्ञापन दिया और भाजपा सरकार के दबाब में दर्ज स्वढ्ढकको वापस लेने की मांग की तथा माँग पूरी न होने की स्थिति में स?कों पर उतरकर आंदोलन करने की चेतावनी दी। इस कार्यक्रम में जिला कमेटी से शिवाकर सिंह तोमर,रामवीर सिंह तोमर, पूर्व जनपद अध्यक्ष अंबाह राम सिंह तोमर , जितेंद्र सिंह तोमर, मनीष शर्मा एडवोकेट, रानू शुक्ला, विनोद शर्मा, अंकुर मावई, सेवादल जिलाध्यक्ष सुधीर मावई,ब्लॉक अध्यक्ष महुआ दलवीर सिंह तोमर ब्लॉक कमेटीः महावीर शर्मा, पंकज वर्मा, लाडले व्यास, उपाध्याय मंडलम ,सेक्टर अध्यक्ष सचिन सिंह छारी, पुरुषोत्तम सिंह तोमर , बलवीर सिंह तोमर , पंकज राजोरिया, कालीचरण सखवार, शाहरुख खान , रवि

जितेंद्र गुर्जर (लालू), भागीरथ प्रजापति, उदय सिंह तोमर, राजू पाराशर, आशु राणा, एहसान खान, आमिर पठान,यादवेंद्र तोमर,विधानसभा प्रत्याशीः वीरेंद्र सखवार, शिवनारायण सखवार, हरीश हिंडोरिया, ब्रजकिशोर सखवार, माधोराम सखवार बरिष्ठ कांग्रेसी महेश विकल जैन , भूरा तोमर महावीर शर्मा एवं पार्षद गणः जयकुमार राजोरिया वार्ड क्रमांक 13, अतेंद्र सैनी वार्ड क्रमांक 10, सुनील सखवार वार्ड क्रमांक 17, राशिद खान वार्ड क्रमांक 16 महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती श्यामा चौहान,किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजय टेकुले सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद सखवार एवं राधेश्याम सखवार, ब्रजेंद्र सिंह तोमर,अखिलेश शर्मा, दयाल गुर्जर,रामकृष्ण गोले (रामा), नंदू प्रजापति,पप्पू, प्रजापति, गोलू प्रजापति,श्रीकांत शर्मा ,खलील खान पठान, संजीव कुमार, उमेश छारी, दिनेश कुमार, कमल सिंह ,धर्मवीर सखवार, अजेंद्र सिंह,विवेक सिंह तोमर,सरदार सिंह तोमर,शैलेंद्र शर्मा,मोनू प्रजापति,अंशुल प्रजापति,ब्रजमोहन प्रजापति,सुनील प्रजापति,श्याम प्रजापति,पवन शर्मा,प्रदीप शुक्ला,धर्मवीर सखवार,राधेश्याम सखवार,विनोद,सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के अध्यक्ष और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब्लड बैंक खुलवाने के लिए प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन

पुष्पांजलि टुडे - रिपोर्टर

खंगारराम मुलेवा

पाली जिला स्थित – खुलवाने के लिए प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन । आए दिन सादड़ी में दुर्घटनाएं होती रहती है । सादड़ी के बाजू में रणकपुर घाट सेक्शन लगता है। कई मरीज बीच रास्ते में दम तोड़ देते हैं, इसके लिए सादड़ी में जल्द से जल्द ब्लड बैंक खुलवाने के लिए प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन इस मौके पर रक्तदान टीम प्रदेश अध्यक्ष सुरेश गोयल गौरव प्रजापत कुशाल दमामी दिनेश चैन भरत चौधरी हरीश भाटी रणवीर भाटी अध्यक्ष युवा कांग्रेस राकेश सावंत सा आदि मौजूद थे

मध्य प्रदेश ग्वालियर डबरा में मोहसिन खान का अपहरण कर मारपीट करते हुए तलवे चटाने वाले आरोपियों के घर कब टूटेंगे - रियाजूद्दीन शेख

खरगोन जिले से मुन्ना खान

पुष्पांजली टुडे

खरगोन - मध्य प्रदेश ग्वालियर डबरा में मोहसिन खान नाम के व्यक्ति को अपहरण कर चलती गाड़ी में मारपीट करते हुए व अश्लील गाली देते हुए तलवे चटाने वाला वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मध्यप्रदेश अल्पसंख्यक विकास कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जिला सदर रियाजूद्दीन शेख ने कहा जो मानवता को शर्मसार करती है, ऐसा लगता है कि मध्य प्रदेश अपराधियों का अड्डा बन गया है, ओर बेखौफ होकर हौसले बढ़ रहे हैं, जिससे प्रदेश में दिन-प्रतिदिन दलित आदिवासी एवं अल्पसंख्यकों के ऊपर मोबलींचिंग कर अत्याचार की अपराधिक घटनाएं हो रही हैं। जिससे प्रदेश के दलित आदिवासी

अल्पसंख्यक समाज भयभीत एवं व्यथित हैं, जिस पर अंकुश लगाया जाना अति आवश्यक है। रियाजूद्दीन शेख ने उपरोक्त घटनाओ के दोषियों के ऊपर सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही कर रासुका भी लगाया जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री मंत्री एव गृहमंत्री के नाम एसडीएम ओमनारायण सिंग ब?कुल को प्रतिनिमण्डल के रूप में पहुचकर ज्ञापन सौपा ताकि प्रदेश में भय, आतंक और दहशत के बढ़ते स्तर पर लगाम लगाया जा सके और जमाने में एक नजीर पेश हो और इस तरह की घटना का पुनरावृत्ति प्रदेश में कहीं भी ना हो।ज्ञापन देने अब्दुल खालिक कुरेशी आरिफ खान, हाजी फारुख खान, हाफिज इदरीश, अनीश खान, साकिर खान, कालू भाई, इमरान खान, रईस भोपाली, शकिल गामा, आदि प्रमुखता से उपस्थित रहे ।

भिण्ड-ग्वालियर हाईवे की लगाई गुहार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भिण्ड-ग्वालियर हाईवे पर रोज हो रहे हादसों को लेकर कई बार के आवेदनों के बाबजूद कोई सुनवाई नहीं हुई तो जिले के पावई स्थति ऐतिहासिक मंदिर पर जय मां पावई वाली के दरबार में भक्तो ने की महा आरती तथा प्रार्थना, प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समाजसेवी सुनील फौजी ने बताया की सावन माह के सोमवार को सामूहिक रूप से हजारों लोगो ने मां भगवती के दरबार में भिंड ग्वालियर हाईवे के लिए प्रार्थना की कि हे मां एमपी सरकार में बैठे हमारे नेतृत्व को सद्बुद्धि दो हमारे नेताओ के ह्रदय में दया करुणा प्रेम का भाव भर दो ,इस अवसर पर भारी संख्या में भिंड ग्वालियर हाईवे पर दुर्घटना के शिकार हुए नौजवानो के परिजन भी उपस्थित थे,समाज सेवी सुनील फौजी ने कहा मां पावई वाली सबकी सुनती है हमे पूरा विश्वास है, मां शारदे हम भिंड वालो की मनोकामना अवश्य पूरी करेंगी, हमारे प्रदेश के मुखिया के दिल में दया करुणा प्रेम का भाव जाग्रत होगा ,इस अवसर पर दो मिनिट का मौन रखकर मृतक आत्माओं के शांति के लिए प्रार्थना की,इस अवसर पर जय मां पावई वाली भक्त मंडल ग्रुप द्वारा विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया,कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिक, पत्रकार, वकील, सहित सैकड़ों नौजवान उपस्थित रहे।

पुलिस थाना पिछोर को मिली बड़ी सफलता शातिर भैंस चोर को किया गिरफ्तार

भैंस चोर ने ग्राम पडरा से 8 भैंसे कीमती 4लाख रुपये की चोरी की थी चल रहा था फरार पुलिस ने दबोच कर भेजा जेल

राकेश परिहार पिछोर

9691338626

पिछोर,। पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश कुमार सिंह भदौरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार

भूरिया , एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के निर्देशन में व थाना पिछोर टीआई गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस थाना पिछोर की टीम ने मुखबिर की सूचना पर शातिर भैंस चोर रामेश्वर लोधी उर्फ गंठू पुत्र रघुवीर लोधी उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम गूगरी को नया चौराहा से गिरफ्तार किया दिनांक 24-25/5/23 की रात को ग्राम पडरा में आरोपी रामेश्वर लोधी उर्फ गंठू निवासी ग्राम गूगरी ने अपने साथी आसिफ खान निवासी झांसी व अन्य साथियों के साथ लखन पुरी गोस्वामी निवासी निवासी ग्राम पडरा की 3 भैंस व 2 पड़िया व सरोज लोधी निवासी पडरा की 1भैंस व 2 पड़िया चोरी की थी व बोलेरो पिकअप नंबर क्र 92ञ8138 से चुराकर बेचने के लिए जा रहे थे। 8भैंस कीमती कीमती 4 लाख रुपए व बोलेरो पिकअप पुलिस ने जप्त कर आरोपी चालक आसिफ खान निवासी झांसी को पूर्व में गिरफ्तर किया था लेकिन भैंस चोरी करने वाला आरोपी रामेश्वर लोधी उर्फ गंठू निवासी गूगरी फरार चल रहा था जिसे अपराध क्रमांक 262/23 धारा धारा 379 आईपीसी में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जिसे कोर्ट द्वारा जेल भेजा । अभी रामेश्वर लोधी के अन्य साथी फरार हैं जिनकी तलाश जारी है। पुलिस थाना पिछोर की टीम में एसआई विनोद भार्गव, एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान, नरेंद्र यादव प्रधान आरक्षक संतोष यादव, आरक्षक कमल सिंह मांझी , जितेंद्र गुर्जर, राघवेंद्र पाल , बचान सिंह तोमर, माधव शंकर शर्मा भूपेंद्र सिंह, रवि कौरव ,प्रदीप कौरव की मुख्य भूमिका रही।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से महिलाओं के साथ-साथ परिवार की आर्थिक स्थित में आए बदलाव- मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत जिले की बहनाओं के खाते में द्वितीय किश्त की राशि वितंरित

राकेश परिहार पिछोर

9691338626

शिवपुरी, मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिह चौहान ने महिलाओं का आत्मबल, मान-सम्मान बाकर आत्मनिर्भर बनाया है। इस योजना के तहत जिले की बहनाओं के खाते में एक-एक हजार रूपये की दूसरी किश्त अंतरित की गई है। यह बात खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने सोमवार को मानस भवन में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की दूसरी किश्त की राशि अंतरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही।खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने दूसरी किस्त की राशि मिलने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लाडली बहना योजना ने महिलाओं को परिवार में एक नई पहचान दिलाई है। महिलाएं भी अब आर्थिक रूप से परिवार को सहयोग कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का बडा कदम हैकार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा कन्याओं का पूजन कर, कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर लाडली बहना सेना की सदस्यों को शपथ भी दिलाई गई।इस अवसर पर इंदौर से राज्य स्तरीय लाडली बहना योजना के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया। अतिथियों एवं उपस्थित महिलाओं ने इंदौर से मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा व सुना। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर विवेक रघुवंशी, एसडीएम शिवपुरी रवि गुप्ता, महिला एंव बाल विकास के अधिकारी देवेन्द्र सुन्द्रियाल सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी तथा बडी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। प्रदेश के साथ ही जिले में भी सभी नगरीय निकायों एवं ग्राम स्तर पर मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित किये गये।

आईटी सेल के जिला उपाध्यक्ष बने कौशलेंद्र राजावत

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी के निर्देशानुसार एवं नेता प्रतिपक्ष माननीय डॉ गोविंद सिंह की अनुशंसा व सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अभय तिवारी की सहमति पर सोशल मीडिया विभाग के जिला अध्यक्ष शिशुपाल सिंह भदौरिया जिला कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग में कौशलेंद्र राजावत को जिला उपाध्यक्ष,नमन सिरोठिया को जिला सचिव,भूपेंद्र सिंह को रौन ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष खिजर मोहम्मद कुरैशी के द्वारा कौशलेंद्र राजावत,नमन सिरोठिया को नियुक्त पत्र दिया गया।इस मौके पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष शिशुपाल सिंह भदोरिया, विधानसभा अध्यक्ष शिवशंकर सिंह भदोरिया प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बधाई देने वालों में कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष डॉ राधेश्याम शर्मा, धीरेंद्र राजावत, राहुल शर्मा, छोटू तोमर, मोनू जैन आदि है।

सम्पादक की कलम से

जनता से छल

महाराष्ट्र में राकांपा में टूट और राजग के कुनबे का विस्तार करते हुए बागियों का सरकार में शामिल होना राजनीतिक अनिश्चितताओं के साथ नेताओं के सत्ता मोह को भी दर्शाता है। विधायकों का रातों-रात पाला बदलकर दूसरे की सरकार में शामिल होना बताता है कि सत्ता के लिये परिवार व पार्टी के कोई मायने नहीं हैं। लेकिन एक बात तो साफ है कि दल-बदल निरोधक कानून आया राम-गया राम की राजनीति पर अंकुश लगाने में नाकामयाब रहा है। बल्कि कहा जा सकता है कि सत्ता के लिये महत्वाकांक्षी राजनेताओं ने कानून के प्रावधान में नये छिद्र तलाशे हैं। बल्कि यूं कहें कि दलबदल का दायरा बड़ा हो गया है। इस बदलाव का संकेत यह भी है कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल सत्ता व अन्य ताकत के स्रोतों के जरिये किसी भी दल में तोड़फोड़ करने में सक्षम हो जाता है। राज्य में सरकार बनाने के लिये पहले भाजपा व शिवसेना का मिलकर चुनाव लड़ना और चुनाव के बाद भाजपा से नाता तोड़कर शिवसेना का कांग्रेस, राकांपा आदि दलों के साथ सरकार बनाना, फिर शिवसेना में विद्रोह और भाजपा के साथ बागी शिवसैनिकों का सरकार में शामिल होना बताता है कि कैसे राजनेता किसी दल विशेष के खिलाफ जनता से वोट मांगते हैं और फिर सत्ता सुख के लिये उसी विरोधी राजनीतिक दल के बगलगीर हो जाते हैं। निस्संदेह, ये मतदाताओं के साथ छल ही है। आप ने दूसरे मुद्दों पर वोट मांगा और किसी दल विशेष के खिलाफ जनादेश पाया और बाद में कुर्सी के लिये उसी दल की सरकार का हिस्सा हो गये। पिछले कुछ सालों में महाराष्ट्र में राजनीतिक विद्रूपता के साथ ही राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी खासे विवाद हुए। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट को सख्त टिप्पणी करनी पड़ी। लेकिन एक बात तो तय है कि कदम-कदम पर लोकतांत्रिक शुचिता का हनन जारी है। बहरहाल,सत्ता सुख के लिये राजनीतिक विद्रूपताओं का चेहरा सबके सामने उजागर हो गया है। वहीं दूसरी ओर राकांपा में चाचा -भतीजे की महत्वाकांक्षाओं से उपजी फूट में कहीं न कहीं परिवारवादी राजनीति का हश्र भी सामने आया है। देश में कुछ दशकों से परिवारवाद की राजनीति का जो विद्रूप चेहरा सामने आया है, यह उसकी परिणति ही है। हालांकि, पहले भी अजीत पवार भाजपा के साथ मिलकर सरकार चलाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन हालिया संकट तब उपजा जब शरद पवार ने अपनी राजनीतिक विरासत बेटी सुप्रिया सुले को सौंपी। यही पुत्री मोह शरद पवार को भारी पड़ गया। निस्संदेह, जो राजनीतिक दल परिवारवाद की राजनीति का पोषण करते हैं उन्हें कालांतर परिवार के बिखराव का दंश भी भुगतना ही पड़ता है। बहरहाल, यह घटनाक्रम न केवल राष्ट्रवादी कांग्रेस बल्कि महाविकास अघाड़ी के लिये भी बड़ा झटका है। वहीं दूसरी ओर पिछले दिनों शुरू हुई विपक्षी एकता की कोशिशों को भी इस घटनाक्रम से क्षति पहुंची है। जाहिर तौर पर तोड़फोड़ के इस खेल का लक्ष्य अगले साल होने वाला आम चुनाव भी है। यह सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा लोकसभा की सीटें महाराष्ट्र से ही हैं।

जिंदगी में ज़हर घोलती दूषित हवाएं

आज समूची दुनिया वायु प्रदूषण की चपेट में है। महानगरों की बात छोड़िए छोटे शहर, कस्बे और गांव भी इसके चंगुल से अछूते नहीं। तेज अर्थव्यवस्था और विकास की गतिविधियों के चलते वायु प्रदूषण को थामना बेहद मुश्किल है। नेशनल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट (नीरी) के विशेषज्ञों की भी राय है कि तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था के दौर में वायु प्रदूषण को पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। असल में यह स्थिति दुनिया में हर विकसित व विकासशील देश की है। ऐसे में हमें सचेत रहना होगा अन्यथा हालात बेकाबू हो सकते हैं। हर स्तर पर सतर्कता, निगरानी और जागरूकता जरूरी है। इस तरह बेलगाम वायु प्रदूषण पर थोड़ी मात्रा में ही सही, काबू पाया जा सकता है। हकीकत यह कि अब वायु प्रदूषण किसी खास दिन, महीने में ही नहीं बल्कि पूरे साल अपनी मौजूदगी दर्ज कराने लगा है। समूची दुनिया में वर्ष के करीब सत्तर फीसदी दिनों में लोगों को खतरनाक वायु प्रदूषण झेलना पड़ रहा है। इस प्रदूषण ने बड़े शहरों से भी आगे बढ़कर छोटे शहरों-कस्बों और गांवों तक को अपनी चपेट में ले लिया है। हालात की भयावहता का सबूत यह है कि लगभग हर कोई पीएम 2.5 वाले छोटे वायु प्रदूषण के कणों के सम्पर्क में है। यानी दुनिया में वायु प्रदूषण से कोई भी सुरक्षित नहीं है। एक्यूआई का कमोबेश हर जगह लगभग दो सौ के पार रहना भी इसका प्रमाण है। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस तथ्य को प्रमाणित किया है। शोधकर्ताओं के अध्ययन प्रमुख यूमिंग गुओ ने इसका खुलासा करते हुए हैरानी जतायी कि दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित वायु गुणवत्ता दिशा-निर्देशों की तुलना में वार्षिक औसत पीएम 2.5 सांद्रता अधिक है। यदि हाल के वर्षों का आंकड़ा देखें तो अकेले वर्ष 2019 में दुनिया में वायु प्रदूषण से मरने वालों की तादाद कम से कम 70 लाख है।

देखा जाये तो वायु प्रदूषण बढ़ने के प्रमुख स्रोतों में एक बड़ा स्रोत पूरे साल रहने वाला वाहन

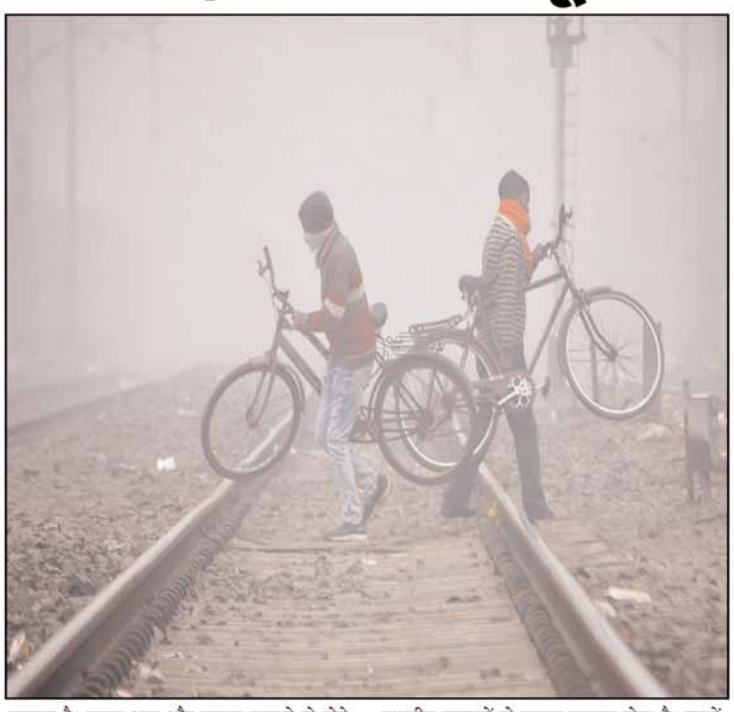

प्रदूषण है। दूसरा धूल और कचरा जलाने से होने वाला प्रदूषण है जो बेहद खतरनाक व गंभीर है। बेशक इसे अधिकतर लोग गंभीर नहीं मानकर बिना किसी रोकथाम उपाय के भवन निर्माण और खुदाई जैसे कामों को अंजाम देते हैं। वे खुलेआम कचरा भी जलाते हैं। तीसरा स्रोत औद्योगिक प्रदूषण है। यूं भी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में दैनंदिन उद्योग लगने की बढ़ रही रफ्तार के साथ प्रदूषण कम हो पाने की उम्मीद ही बेमानी है।

मौसम में बदलाव के साथ-साथ प्रदूषण के कारकों की हिस्सेदारी में भी काफी परिवर्तन आया है। सर्दियों की तुलना में गर्मियों के दौरान स्थानीय कारकों से ज्यादा प्रदूषण होता है। इसमें खुले में आग, कचरा, उपले, सूखे पत्ते और लकड़ी जलाने की भी अहम भूमिका है। गौरतलब है कि छोटे वायु कण जो 2.5 माइक्रोन या उससे कम चौड़ाई में होते हैं, वे मानव स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक जहरीले वायु प्रदूषकों में से एक हैं। इनको पीएम 2.5 के रूप में जाना जाता है। ये हमारे फेफड़े तक आसानी से पहुंच जाते हैं और सांस लेने में परेशानी पैदा करते हैं। ये कई बीमारियों के कारण बनते हैं। जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्राकृतिक आपदाएं लाखों लोगों को विस्थापित तो कर ही रही हैं, वहीं इसके चलते बिगड़ता पर्यावरण स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। वायु प्रदूषण से अजन्मे बच्चे की सेहत पर भी बुरा असर पड़ रहा है, वहीं हड्डियों का तेजी से क्षरण भी होता है और अल्जाइमर का खतरा भी बढ़ जाता है। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ़ के मुताबिक, साल 2020 में बीस फीसदी नवजात बच्चों की मौत वायु प्रदूषण से हुई। हाल ही में डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ़ और मातृ नवजात शिशु तथा बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की ओर से जारी एक रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रभागों पर प्रकाश डाला गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, मीथेन और ब्लैक कार्बन से न सिर्फ हवा खराब हो रही है बल्कि इससे नवजातों की मौत के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। यह भी कि कम और मध्यम आय वाले देशों में वायु प्रदूषण से समय से पहले पैदा होने वाले 91 फीसदी शिशुओं की मौतें होती हैं। इनमें भारत शीर्ष पर है और उसके बाद पाकिस्तान, नाईजीरिया, चीन और इथियोपिया जैसे देश आते हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के नये शोधों के मुताबिक, हवा में नाइट्रिक आक्साइड जैसे प्रदूषकों का स्तर बढ़ने से रजोनिवृत्ति वाली महिलाओं में हड्डियों के क्षरण की गति तेज हो जाती है। कार और ट्रक जैसे वाहन तथा बिजली उत्पादन संयंत्र से निकलने वाला धुंआ इसके प्रमुख स्रोत हैं। चिंता का विषय यह है कि वायु प्रदूषण का जहर भारतीयों की जिंदगी औसतन चार वर्ष ग्यारह महीने तक कम कर रहा है। सीएसई की रिपोर्ट की मानें तो इससे तीस फीसदी भारतीयों की उम्र में एक से तीन साल, तकरीबन 25.7 फीसदी की उम्र में तीन से पांच साल, 21.2 फीसदी की उम्र में पांच से सात साल, 22 फीसदी की उम्र में सात साल से अधिक और 0.9 फीसदी की उम्र में एक साल से कम की कमी आ रही है। ऐसे में, हमें उन सभी उपायों पर तेजी से काम करना जरूरी है जिनसे प्रदूषण की बढ़ती दर कम की जा सके।

किताबी शिक्षा बनाम व्यवहारिक शिक्षा

डिग्रीयां तो पढ़ाई के ख़र्चे की रसीदें है - ज्ञान तो वही है जो किरदार में झलके

व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान में परिपक्व व्यक्तित्व का किरदार किताबी ज्ञान की डिग्री लेने पर सोने पर सुहागा होगा - एडवोकेट किशन भावनानी गोंदियागोंदिया - सृष्टि में अनमोल बौद्धिक ज्ञान का धनी मानवीय प्राणी को जन्म से ही परिवार, समाज, मानवीय संपर्कों से व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान मिलना शुरू हो जाता है। याने जैसे जैसे मानुष बाल्य काल से बचपन और फिर युवा होता है, वैसे-वैसे व्यवहारिक ज्ञान शिक्षा के माध्यम से ऑटोमेटिक अली स्वत संज्ञान से उसकी बौद्धिक क्षमता परिपक्व होती जाती है और फिर स्कूल कॉलेज से लेकर अनेक डिग्रियों यानें किताबी ज्ञान पाकर सोने पर सुहागा की कहावत हम पूरी करते हैं। इस तरह हम देखते हैं कि, शिक्षा दो तरह की होती है। एक किताबी शिक्षा और दूसरी व्यवहारिक शिक्षा। अगर किताबी शिक्षा के साथ साथ हमको व्याहारिक शिक्षा का ज्ञान नहीं है तो हम शिक्षित होते हुए भी अशिक्षित की श्रेणी में आयेंगे। और अगर हमको शिक्षा के साथ साथ व्योहारिक ज्ञान भी है तो हम शिक्षित लोगो की श्रेणी में आयेंगे। साथियों भारत में कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि कौशलता विकास पर जोर दार तरीके से फोकस किया जा रहा है जिसके लिए केंद्र सरकार द्वारा एक अलग से कौशलता विकास मंत्रालय का भी गठन किया गया है जो अनेक राज्यों में विभिन्न स्तरों पर कौशलता विकास का जन जागरण अभियान चला रहा हैं। इसके लिए हुनर हाट सहित अनेकों कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मेरा मानना है कि इनका सबसे सटीक कारण हर नागरिक को नौकरी पाने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाना है, जिससे बेरोजगारी की समस्या भी दूर होगी और जो कौशलता के रूप में ज्ञान प्राप्त करेंगे, उनके किरदार में भी झलकेगा जो हमारी सदियों पुरानी संस्कृति भी रही है। इसके विपरीत हम देखते हैं कि किताबी पढ़ाई वाली डिग्रियां जिसे हम पढ़ाई के खर्चे की रसीदें भी कर सकते हैं, प्राप्त करने के बाद भी इंटर्नशिप या प्रैक्टिकल ट्रेनिंग लेना जरूरी होता है। केवल डिग्री के बलपर हम अपने व्यवसाय में प्रैक्टिस नहीं कर सकते या किसी जॉब में शामिल होने के बाद भी उसकी ट्रेनिंग लेनी होती है और हमारा किरदार उसमें झलकता है कि हम इसके विशेषज्ञ हैं फ़िर भी अक्सर देखा गया है कि बड़ी-बड़ी डिग्रियां प्राप्त करने के बाद जब सेवा करनें का मौका आता है तो अनेक लोग विदेशों में जाकर सेवाएं प्रदान करते हैं और वही बस जाते हैं इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि डिग्रियां तो पढ़ाई की रसीदें हैं, परंतु ज्ञान तो वही है जो किरदार में झलके। साथियों बात अगर हम किताबी ज्ञान की करें तो, परिभाषा के अनुसार जिसने किताबी ज्ञान अर्जित किया हो और स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं को पास करके डिग्री हासिल की हो वो शिक्षित है, और जिसे अक्षर ज्ञान ना हो, वो किताबी अनपढ़।पर क्या शिक्षा का अर्थ सिर्फ केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना ही है? एक शिक्षित इंसान के द्वारा फेंका हुआ कचरा, अगर सुबह एक किताबीअशिक्षित इंसान (सफाई कर्मचारी) उठाता है।

पेज-6

हद से ज्यादा बोल्ड हैं टीवी की संस्कारी बहू शिवांगी जोशी

छत्तीसगढ़ में एकता के लिए कांग्रेस का नया दांव

छत्तीसगढ़ में टीएस सिंह देव को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। यह देश का 11वां राज्य है जहां डिप्टी सीएम बना है। राज्यों में नेतृत्व के लिए खींचतान, वर्चस्व की लड़ाई को दूर करने या फिर जातीय क्षेत्रीय सियासी संतुलन को साधने के लिए डिप्टी सीएम बनाने की रिवायत देखी गई है। कई राज्यों में दो-दो डिप्टी सीएम भी बने हैं। छत्तीसगढ़ में चुनाव से लगभग पांच महीने पहले टीएस सिंह देव को डिप्टी सीएम बनाने की रणनीति में क्षेत्रीय जातीय संतुलन को साधने से ज्यादा नेताओं में आपसी खींचतान को दूर करने का उपक्रम देखा गया है। कहीं न कहीं कांग्रेस आलाकमान को यह लगा है कि चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस में खुशनुमा माहौल बनाया जाए। इसके लिए टीएस सिंह देव यानी टीएस बाबा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। हालांकि, अब इस दौर में उपमुख्यमंत्री के तौर पर टीएस सिंह देव के पास कुछ अलग करने के लिए समय नहीं है। वैसे भी उपमुख्यमंत्री के रहते राज्यों में बड़े अधिकार मुख्यमंत्री अपने ही पास रखते हैं। इस मायने में महाराष्ट्र या कर्नाटक की स्थिति कुछ अलग कही जा सकती है।

वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ में विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद अगर विधायकों के समर्थन के आधार पर नेतृत्व दिए जाने की बात होती तो टीएस सिंह के हाथ में ही नेतृत्व सौंपा जाता। कांग्रेस के दो-तिहाई विधायकों का उनके प्रति झुकाव था। बेशक चुनाव में भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव ने अपने-अपने स्तर पर पार्टी को कामयाब बनाने के लिए प्रयास किये थे। लेकिन माना गया था कि संगठन प्रबंधन में टीएस सिंह देव की भूमिका शानदार थी। पार्टी संगठन पर भी उनका प्रभाव था। हालांकि, पार्टी के लिए प्रचार करना डोर टू डोर कैंपेन करने में बघेल ने अपना कौशल दिखायाथा। उस समय विधायकों का मिजाज भांपने पार्टी के आज के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ही पर्यवेक्षक बनकर छत्तीसगढ़ गए थे। लेकिन उस समय की

सियासी परिस्थितियों को देखते हुए कांग्रेस हाईकमान ने ढाई-ढाई साल सत्ता का फार्मूला निकाल कर बघेल के हाथ में सत्ता सौंपी। कांग्रेस आला कमान ने अपना मन भूपेश बघेल के पक्ष में बनाया।

रणनीतिक तौर पर बारी-बारी से ढाई-ढाई साल सत्ता में आने का एक अलिखित समझौता हुआ था। इस तरह का फार्मूला यूपी में भी अपनाने की कोशिश हुई थी। वह सफल नहीं रहा। छत्तीसगढ़ में भी सत्ता में आने के बाद सीएम बघेल ने ऐसी स्थितियां नहीं बनने दीं कि सत्ता का हस्तांतरण हो सके। उस समय यह फैसला हुआ था कि भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव ढाई-ढाई साल तक सीएम बनेंगे। हालांकि ऐसा हुआ नहीं।

टीएस सिंह देव ने कभी मुखर होकर कभी सांकेतिक तो कभी मंत्रिमंडल में विभाग को छोड़कर अपना असंतोष दिखाया। इससे टीएस सिंह देव ने 16 अगस्त, 2022 को ग्रामीण पंचायत मंत्रालय से इस्तीफा दिया था। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग का कार्यभार देखते हुए वह मंत्रिमंडल में बने रहे। लेकिन रह-रहकर छत्तीसगढ़ में बघेल और टीएस बाबा के धड़ों में मतभेद की खबरें बाहर आती रहीं।

लेकिन कांग्रेस आलाकमान ने भी यथास्थिति बने रहने दी। अब ऐसे समय में जब कांग्रेस को चुनावी मैदान में उतरना है और छत्तीसगढ़ उन राज्यों में है जहां कांग्रेस अपने लिए संभावना देख रही है। ऐसे में कांग्रेस ने इस राज्य में भी उन उलझनों को दूर करने की कोशिश की है जो चुनाव में दिक्कत पैदा कर सकती थी। पहली कोशिश यही है कि पार्टी में नेताओं के आंतरिक मतभेदों को दूर किया जाए। माना जाना चाहिए कि कर्नाटक में जिस तरह से गुटबाजी से बाहर निकल कर कांग्रेस ने जनता को आपसी एकजुटता का संदेश दिया उसका पार्टी को फायदा मिला। चुनाव से पहले कांग्रेस के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार जैसे दिग्गज नेता अलग-अलग राह चलते दिखते थे। लेकिन कांग्रेस ने समय रहते दोनों के विवादों को दूर कर इस तरह का माहौल बनाया कि वे मंचों पर हाथ लहराते नजर आए। पद यात्रा में साथ-साथ चले। इसके विपरीत बीजेपी अपने अंदरूनी विवादों से बाहर नहीं निकल पाई। निश्चित यहीं से कांग्रेस के मन में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के आंतरिक विवाद को दूर करने की कोशिश हुई है। कांग्रेस को यह भी लगता रहा है कि किसी भी क्षण टीएस सिंह देव हाथों में कमल थाम सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सियासी हलकों में इस बात की भी खबरें रह-रह कर उड़ती रहीं। कांग्रेस ने इस बात को समझ लिया था कि अगर समय रहते टीएस सिंह देव को मनाया नहीं गया तो खींचतान और बढ़ सकती है। टीएस बाबा विरोध का स्वर भी उठा सकते हैं। बेशक भूपेश बघेल ने सत्ता पर अपनी पकड़ बनाई हो लेकिन टीएस सिंह देव की प्रबंधन और संगठन पर जो पकड़ रही है, उसकी अहमियत पार्टी समझती है। इतना निश्चित है कि केवल डिप्टी सीएम के पद पर लाने भर से टीएस सिंह देव को खुश नहीं किया जा सकता। पार्टी ने उन्हें आगे के लिए कुछ और आश्वासन जरूर दिए होंगे। टिकटों के वितरण और संगठन को लेकर उनसे जरूर विस्तार से चर्चा हुई होगी। भूपेश बघेल राजनीति के दावों को जानते हैं। इस समय उन्होंने अपने प्रभाव और नेतृत्व क्षमता से राज्य में कांग्रेस की स्थिति को काफी मजबूत बनाया है। भूपेश बघेल भी समझते हैं कि आपसी गुटबाजी और खींचतान से अलग कांग्रेस चुनावी मैदान में अपने बड़े संदेश के साथ जा सकती है। छत्तीसगढ़ में बघेल और बाबा के जो मुस्कराते और हाथ मिलाते चित्र नजर आए हैं वह जितनी सफलता टीएस सिंह देव की है उससे कहीं ज्यादा उसका महत्व सीएम भूपेश बघेल के लिए है। इसलिए इसे सीएम भूपेश बघेल का एक सफल दांव माना जा रहा है। भूपेश बघेल सियासत के कुशल खिलाड़ी हैं। कांग्रेस छत्तीसगढ़ में भी उम्मीद कर रही है कि दोनों नेताओं के मतभेद दूर होने के बाद पार्टी एकजुट होकर चुनाव मैदान में जाएगी।

टीएस बाबा छत्तीसगढ़ की सियासत में धुरंधर खिलाड़ी माने गए हैं। यूपी के प्रयागराज में जन्मे टीएस बाबा के पिता आईएएस अधिकारी रहे हैं। इनकी मां देवेंद्र कुमारी मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री रही हैं। अंबिकापुर नगर परिषद का चुनाव जीतकर वो छत्तीसगढ़ में डिप्टी सीएम के पद तक पहुंचे हैं। 2008 में सरगुजा से पहली बार विधायक बने। इसके बाद 2013 और 2018 में भी उन्होंने चुनाव में सफलता हासिल की। 2013 में विधायक दल के नेता बने। 2018 में बघेल ने उन्हें अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया। टीएस बाबा का सरगुजा संभाग में खास प्रभाव माना जाता है। छह जिलों को मिलकर बना सरगुजा संभाग की विधानसभा सीटों को छत्तीसगढ़ में सत्ता की चाबी कहा जाता है। सरगुजा संभाग का राजनीतिक महत्व तो रहा है पर नेतृत्व का मौका यहां के नेताओं को नहीं मिला। यह आदिवासी बहुल इलाका है। यहां घने जंगल हैं। आदिवासी परंपरा और संस्कृति वाले इस संभाग से नंद कुमार राय, दिलीप सिंह जुदेव लरंग साय जैसे कई नेता दिए। इन क्षेत्रों से कई-कई बार विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व करने वाले नेता सामने आए। लेकिन राजनीति के केंद्र में अक्सर बस्तर ही रहा। 2018 में जब कांग्रेस ने शानदार सफलता हासिल की थी। तब एक बार लग रहा था कि सरगुजा का नेता छत्तीसगढ़ की कमान संभालेगा। लेकिन टीएस बाबा सीएम बनते-बनते रह गए। बेशक छत्तीसगढ़ के इस घटनाक्रम को कांग्रेस अपनी उपलब्धि के बतौर दिखाने की कोशिश करेगी। वहीं बीजेपी नेता पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का बयान भी नई बहस को जन्म देता है कि कैप्टन ने सियासी तूफान को देखते हुए नाव की पतवार टीएस सिंह देव के हाथ में पकड़ा दी है।

वाराणसी में सपा नेता ने टमाटर के स्टॉक की सुरक्षा के लिए तैनात किए बाउंसर

वाराणसी ।बाजार में टमाटर के चढ़ते भाव को लेकर हो रही तरह-तरह की चर्चाओं के बीच वाराणसी के लंका इलाके में एक सब्जी विक्रेता ने अपने यहां टमाटर के स्टॉक की सुरक्षा के लिए दो बाउंसर तैनात किए हैं. क्षेत्र में चर्चा का विषय बने इस घटनाक्रम को अंजाम देने वाले सब्जी विक्रेता अजय फौजी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता हैं. पिछले हफ्ते उन्होंने पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के जन्मदिन पर टमाटर के आकार का केक काटा था और लोगों के बीच टमाटर बांटे थे.अनोखे से लगने वाले अपने इस कदम के बारे में फौजी ने बताया, %बाउंसर इसलिए लगाए हैं कि टमाटर की महंगाई तो आप देख ही रहे हैं. टमाटर के लिए मारपीट, लूट हो रही है. कई जगह ऐसी घटनाएं हुई हैं. हमने टमाटर मंगाया हुआ है यहां पर मारपीट ना हो इसलिए हमने बाउंसर लगाए हैं.उन्होंने कहा, टमाटर की ऊंची कीमत के कारण, मुझे टमाटर खरीदते समय लोगों के बीच तीखी नोकझोंक की खबरें मिल रही थीं. हमारी दुकान पर आने वाले लोगों ने भी ऐसा करने की कोशिश की. जब मैंने महसूस किया कि अब बहुत हो चुका तब मैंने अपनी दुकान पर बाउंसर तैनात करने का फैसला किया.

शाम पांच बजे तक करते हैं ड्यूटी- फौजी ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में उन्होंने अपनी दुकान पर सामान्य कपड़ों में बाउंसर तैनात किए थे, लेकिन जब टमाटर खरीदने आए ग्राहकों ने ज्यादा मोल भाव की कोशिश की तो उन्होंने वर्दीधारी बाउंसर तैनात कर दिए. इन दिनों 140 से 160 रुपए प्रति किलो टमाटर बेच रहे फौजी ने बताया कि दुकान पर तैनात दोनों बाउंसर सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक ड्यूटी पर रहते हैं. हालांकि, उन्होंने बाउंसरों को किए गए भुगतान के बारे में ब्योरा देने से इनकार करते हुए कहा, कोई भी एजेंसी बाउंसर मुफ्त में उपलब्ध नहीं कराएगी. उन्होंने कहा, जब तक मेरे पास टमाटर का स्टॉक रहेगा तब तक मैं अपनी दुकान पर बाउंसर तैनात रखूंगा. इस सवाल पर कि बाउंसर तैनात होने के बाद क्या ग्राहक दुकान पर आने से हिचकते नहीं हैं, फौजी ने कहा लोग दुकान पर आते हैं, कीमत के बारे में पूछते हैं. बाउंसरों को पैसे देते हैं और उनसे सामान ले लेते हैं. कुछ लोग बाउंसर को देखने की जिज्ञासा के साथ भी दुकान पर आते हैं, क्योंकि किसी सब्जी की दुकान पर बाउंसर तैनात होना उनके लिए अनोखी बात होती है.इस बीच, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने फौजी से संबंधित एक वीडियो क्लिप साझा करते हुये ट्वीट किया, बीजेपी टमाटर को जेड प्लस सुरक्षा दे. इससे पहले, गत एक जुलाई को अखिलेश यादव के जन्मदिन के मौके पर फौजी और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं ने टमाटर के आकार का केक काटकर और इसकी बढ़ती कीमत को देखते हुए लोगों के बीच टमाटर बांटे थे.

यूपी में तेज बारिश से बढ़ा नदियों का जल स्तर, कई जिलों में जलभराव से यातायात बाधित

उत्तर प्रदेश। में दक्षिण-पश्चिमी मानसून पूरे जोर पर है. रविवार को प्रदेश में बड़े पैमाने पर अत्यधिक बारिश दर्ज की गई. पिछले कई दिनों से जल भरण क्षेत्रों में व्यापक वर्षा होने से नदियों का जल स्तर बढ़ गया है. मौसम विभाग ने इसकी जानकारी दी. मौसम विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में रविवार को औसतन 13.6 मिमी (1.3 सेमी) बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 56त्न अधिक है. इसे अतिरिक्त वर्षा के रूप में वर्गीकृत किया गया है.विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के कुल 75 जिलों में से करीब 68 में बारिश दर्ज की गई. पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में राज्य के मध्य एवं पूर्वी हिस्सों के जिलों की तुलना में अधिक बारिश हुई. रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान सहारनपुर जिले के नकुड़ में सबसे ज्यादा 15

सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई, इसके अलावा बरेली के बहेड़ी में 13 सेंटीमीटर, संभल, बेहट (सहारनपुर), मुरादाबाद और सहारनपुर में आठ-आठ, बागपत के बड़ौत, फिरोजाबाद के जसराना में साथ-साथ मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, बरेली के नवाबगंज और मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में छह-छह सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई.राजधानी लखनऊ में बारिश के कारण कई हिस्सों में जलभराव हो गया. इससे यातायात बाधित हुआ. प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश और बदली होने की वजह से पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान में गिरावट दर्ज की गई. इस दौरान आगरा, मुरादाबाद, मेरठ, और कानपुर मंडलों में दिन का तापमान सामान्य से नीचे रिकॉर्ड किया गया. अगले 24 घंटों के दौरान भी राज्य के ज्यादातर स्थानों पर वर्षा होने का अनुमान है. आगामी 11 और 12 जुलाई को भी राज्य के ज्यादातर स्थानों पर बारिश होने की संभावना है. केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में व्यापक वर्षा होने से गंगा, रामगंगा, यमुना और राप्ती सहित नदियों का जल स्तर बढ़ गया है लेकिन अभी वह खतरे के निशान से नीचे है.

नप गया युवक से थूक चटवाने वाला दबंग लाइनमैन, पुलिस के बाद बिजली विभाग की बड़ी कार्रवाई

सोनभद्र । बिजली विभाग के

संविदाकर्मी लाइनमैन पर बड़ी कार्रवाई हुई है. बता दें कि लाइनमैन की दबंगई का वीडियो वायरल होने के बाद सनसनी मच गई थी. वीडियो में तेजबली सिंह युवक से चप्पल पर थूक चटवाते हुए दिखाई दिया था. वायरल वीडियो शाहगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बालडीह गांव का बताया जा रहा है. पुलिस की जांच में पता चला कि घटना 6 जुलाई की है. सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने संज्ञान लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

फरार चल रहा गोवध का आरोपी आत्मसमर्पण के लिए पहुंचा पुलिस थाने, कहा- मेरा घर बर्बाद हो गया

अयोध्या। रुदौली कोतवाली में थाना समाधान दिवस के मौके पर कुछ ऐसा हुआ कि मौके पर मौजूद लोगों के साथ से अधिकारी भी चौंक गए. थाना समाधान दिवस के दौरान पिछले डेढ़ साल से फरार गोवध का आरोपी आत्मसमर्पण करने पहुंच गया. इस दौरान उसने अपने हाथ में आत्मसमर्पण लिखा कागज पकड़े हुआ था. आरोपी सीधे पुलिस अफसरों के पास जाकर उसने अपने गुनाह और फरार होने के बारे में बताया, उसने पुलिस अधिकारियों से कहा अब दोबारा गलती नहीं होगी मैं आपके सामने समर्पण करने आया हूं.जिस घटना के आरोप में अकबर अली ने रुधौली थाने में आत्मसमर्पण किया, वह मामला सन 2022 का है. इस मामले में रुदौली कोतवाली क्षेत्र के सुजागंज चौकी अंतर्गत ऐथर गांव के बाहर कुछ लोगों ने मिलकर एक गोवंश को मार डाला था, इस घटना बाद पुलिस ने 6 अभियुक्तों के विरुद्ध गोवध करने का मुकदमा दर्ज किया था. मामले में पांच आरोपियों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है, जबकि छठा अभियुक्त अकबर अली घटना वाले दिन से ही फरार चल रहा था. पुलिस अकबर अली की लगातार तलाश कर रही थी, लेकिन यह हर बार पुलिस को चकमा देकर बच जाता था.

आरोपी ने पुलिस के सामने दी दोबारा अपराध

न करने की दुहाई-शनिवार (9 जुलाई) को रुदौली कोतवाली में आयोजित समाधान दिवस के दौरान पीड़ितों की फरियाद सुनी जा रही थी, उसी समय सीने पर एक पोस्टर लगाए अकबर अली सीधे क्षेत्राधिकारी रुदौली सत्येंद्र भूषण तिवारी के पास पहुंच गया. पहुंचते ही उसने कहा मैं गोवध का आरोपी हूं और काफी समय से फरार चल रहा हूं, इस मुकदमे में मेरी पत्नी जेल में है मेरा घर बर्बाद हो गया है

मिल्कीपुर खानपुर-जल जीवन मिशन के तहत जो भी काम हो रहा है ठेकेदार द्वारा छोटे ठीकेदारो को काम दिया जा रहा है जो कि लेबर अथवा पूनजी के अभाव में कोई भी काम सही नहीं करवा रहा है जो सड़के तोड़े हैं उनकी रिपेयरिंग भी नहीं कराई जा रही गाँव वालो को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है

राम मंदिर में वाल्मीकि रामायण को चित्रों से सहेजा जाएगा, 98 श्लोकों से सजेगा राम चबूतरा

अयोध्या ।में निर्माणाधीन राम मंदिर में वाल्मीकि रामायण को चित्रों के माध्यम से सहेजा जा रहा है. वाल्मीकि रामायण के छह काण्ड (बाल से लेकर लंका काण्ड) के प्रमुख 98 श्लोकों को भित्तिचित्रों के माध्यम से निचले राम चबूतरे पर उकेरा जा रहा है. राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा जनवरी में करने के लिए अगले 120 दिन में इसके प्रथम चरण के तहत महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने पर तेजी से काम जारी है.श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के एक सदस्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, '' श्री राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल का निर्माण कार्य जोरशोर से जारी है. प्रथम चरण के महत्वपूर्ण कार्यों को नवंबर तक पूरा करने का काम जारी है और कोशिश होगी कि यह दीपावली तक हो जाए, तो बेहतर रहेगा.'' उन्होंने बताया कि राम मंदिर में स्तंभों, पीठिका तथा अन्य स्थानों पर आध्यात्मिक पौराणिक ग्रंथों में वर्णित कथाओं के आधार पर मूर्तियों का निर्माण किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों में गर्भगृह, पांच मंडप, भूतल, निचला चबूतरा एवं पूर्वी प्रवेश द्वार शामिल हैं. उन्होंने बताया कि निचले चबूतरे पर 'रामकथा' उकेरी जा रही है, जिसमें वाल्मीकि रामायण के 98 प्रमुख श्लोकों के आधार पर 98 भित्तिचित्र शामिल हैं. वाल्मीकि रामायण में कुल 24000 श्लोक हैं.पिछले महीने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्रा ने कहा था कि मंदिर ट्रस्ट को रामलला की प्रतिमा में प्राण प्रतिष्ठा के लिए देश के शीर्ष ज्योतिषियों ने 21, 22, 24 और 25 जनवरी को शुभ मुहूर्त बताया है. वहीं, न्यास के एक अन्य सदस्य परमानंद गिरि जी महाराज ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लेकर किसी भी अनुकूल तारीख के बारे में प्रधानमंत्री से आग्रह किया जायेगा. सूत्रों ने बताया कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और कोषाध्यक्ष गोविंद गिरि जी महाराज की सदस्यता वाली एक समिति का गठन किया गया है, जिसे इस बात पर विचार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में किन्हें आमंत्रित किया जाएगा.

प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लेकर भी है तैयारी-सूत्रों ने बताया कि देश के गांव में लोग प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को कैसे देख सकें, विदेशों में इसे कैसे दिखाया जाए.. इस पर भी काम जारी है. उन्होंने बताया कि विदेश में कार्यक्रम को पहुंचाने के लिए दूतावासों से सम्पर्क किया जायेगा. उन्होंने बताया कि 2024 की जनवरी में मकर संक्राति के बाद से करीब एक सप्ताह तक भजन कीर्तन आदि का आयोजन किया जायेगा, जिसमें देश के गांव, कस्बों आदि से पांच लाख मंदिर एवं मठों को जोड़ने की योजना है.

सागवान की लकड़ी के बने होंगे दरवाजे-राम मंदिर में करीब 400 खम्भे होंगे, जिसमें भूतल में करीब 160 खम्भे और प्रथम तल पर 132 खम्भे और दूसरे तल पर 72 खम्भे होंगे. इसमें 46 दरवाजे होंगे, जो सागवान की लकड़ी के बने होंगे. सूत्रों ने बताया, ''खम्भे का निर्माण काफी महीन एवं जटिल काम है, क्योंकि प्रत्येक खम्भे पर 14-16 मूर्तियां बनाई जा रही हैं.'' समझा जाता है कि कुल 3600 मूर्तियों का निर्माण किया जायेगा, जो मंदिर को भव्यता प्रदान करेंगे.

देश का पहला अन्नपूर्णा सुपर मार्केट बरेली में बनकर हुआ तैयार, सीएम योगी कर सकते हैं उद्घाटन

बरेली। जिले में एक महत्वपूर्ण और अनोखा कदम उठाया गया है. यहां देश का पहला अन्नपूर्णा सुपर मार्केट निर्मित किया गया है, जिसका उद्घाटन जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर सकते है. यह मार्केट अपने अद्वितीय और प्रामुख्यता से देशभर में मशहूर हो रहा है. इसके जरिए सरकार अपने नागरिकों को गेहूं, चावल, और अन्य खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है. यह अभियान देश के अन्य भागों में भी बढ़ाया जाएगा और यूपी के प्रत्येक जिले में 75 अन्नपूर्णा सुपर मार्केट खोलने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं.इस सुपर मार्केट के अंतर्गत, एक अन्नपूर्णा सेंटर भी स्थापित किया गया है, जहां नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा. इसके तहत,

एक ही छत के नीचे राशन कार्ड, आधार कार्ड, पहचान पत्र, पेन कार्ड, पेंशन आदि जैसी सभी योजनाएं संचालित होंगी. यह सुपर मार्केट गांव के विकास को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से मनरेगा के बजट से तैयार किया गया है.अन्नपूर्णा सुपर मार्केट के डिजाइन और योजना का श्रेय बरेली मंडल की कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, बीडीए के उपाध्यक्ष जोगेंद्र सिंह, और डीएसओ नीरज सिंह को जाता है. इसे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों ने अच्छी तरह से स्वीकारा है. इस सुपर मार्केट को साल भर में सभी दिन खुला रखा जाएगा, ताकि लोग किसी भी समय यहां जा सकें और अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें. अब सभी लोग अपने कोटे के राशन को इसी सुपर मार्केट से प्राप्त कर सकेंगे.

सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ मिलेंगे-इस अन्नपूर्णा सुपर मार्केट की पहली शाखा बरेली के भरतौल में स्थापित की गई है. इस मार्केट में लोगों को आसानी से सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ मिलेंगे. इस मार्केट में गेहूं, चावल और अन्य खाद्य पदार्थों की आपूर्ति की जाएगी. यह सुपर मार्केट भारत में अन्य स्थानों में भी खोले जाएंगे और विभिन्न सुविधाओं को एक स्थान पर संचालित करने का उद्देश्य रखता है.

मंडल में बनाए जा रहे है 72 अन्नपूर्णा सुपर मार्केट-कमिश्नर सौम्या अग्रवाल ने एबीपी न्यूज को जानकारी देते हुए बताया की मंडल के चारो जिलों में 72 अन्नपूर्णा सुपर मार्केट बनाए जा रहे है. उन्होंने बताया इससे गांव का विकास होगा साथ ही भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगेगी. अभी तक कोटेदार अपने घर से सरकारी राशन बाटते थे.

पाकिस्तान ने दी वर्ल्ड कप के बायकॉट की धमकी

खेल मंत्री बोले- भारत एशिया कप के लिए न्यूट्रल वेन्यू पर अड़ा, हम भी ऐसा करेंगे

पाकिस्तान के खेल मंत्री एहसान मजारी 14 सदस्यीय सिक्योरिटी टीम का हिस्सा हैं। वह भी भारत आकर सुरक्षा व्यवस्था की जांच करेंगे। भारत में 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के पार्टिसिपेशन पर संशय बरकरार है। पाकिस्तान के खेल मंत्री एहसान मजारी ने कहा- मैं चाहता हूं कि भारत भी एशिया कप मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने की मांग को छोड़े वरना हम भी वर्ल्ड कप में खेलने के लिए भारत नहीं जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (द्धष्ट) 27 जून को वर्ल्ड कप के लिए शेड्यूल जारी कर चुका है। भारत और पाकिस्तान के बीच हाई वोल्टेज मैच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इसके अलावा पाकिस्तान को अपने लीग के 8 मैच चार शहरों हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में खेलना हैं। मजारी ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा- प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की अध्यक्षता में 14 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। उसमें मेरे साथ कुल 11 मंत्री हैं। हम इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे कि पाकिस्तान को भारत जाकर क्रिकेट खेलना चाहिए कि नहीं। अपनी सिफारिश हम प्रधानमंत्री को भेजेंगे। उसी के आधार पर प्रधानमंत्री वर्ल्ड कप में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के भेजने का अंतिम फैसला लेंगे। ब्ध्ष्क्क मेरे विभाग में आता है। मेरे विचार में भारत भी एशिया कप मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने की मांग को छोड़े वरना हम भी वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के मैच भारत के बजाय न्यूट्रल वेन्यू पर करने की मांग करेंगे। पाक पीएम द्वारा गठित कमेटी में खेल मंत्री एहसान मजारी के अलावा पाकिस्तान के कई मंत्री और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख शामिल हैं। कमेटी में पाकिस्तान सरकार में शामिल अन्य पार्टियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। इस कमेटी का अध्यक्ष विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को बनाया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, भुट्टो देश के अगले प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार भी हो सकते हैं। कमेटी जांच करने के लिए भारत कब आएगी, इस पर अब तक जानकारी नहीं मिल सकी है। लेकिन कमेटी की जांच के बाद ही तय होगा कि पाकिस्तान टीम भारत में वर्ल्ड कप खेलने आएगी या नहीं। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने वर्ल्ड कप से पहले एशिया कप श्रीलंका और पाकिस्तान में कराने का फैसला किया है। इसके तहत पाकिस्तान में टूर्नामेंट के सिर्फ 4 मैच होंगे। बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में होंगे। ग्रुप स्टेज के चार मैच पाकिस्तान में होंगे। इनमें एक ग्रुप से पाकिस्तान ङ्क्ष नेपाल मैच और दूसरे ग्रुप से अफगानिस्तान ङ्क्ष बांग्लादेश, अफगानिस्तान ङ्क्ष श्रीलंका और बांग्लादेश ङ्क्ष श्रीलंका मैच शामिल हैं। यानी पाकिस्तान में भारत का एक भी मैच नहीं होगा। अगर टीम इंडिया फाइनल में पहुंची तो ये मुकाबला भी श्रीलंका में ही खेला जाएगा। एशिया कप श्रीलंका और पाकिस्तान में होगा्भारत का कोई भी मैच पाकिस्तान में नहीं होगा, फाइनल भी श्रीलंका में खेला जाएगा एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2023 के मैच पाकिस्तान और श्रीलंका में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में टूर्नामेंट के सिर्फ 4 मैच होंगे। बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में होंगे। शुरुआती ग्रुप स्टेज के चार मैच पाकिस्तान में होंगे। इनमें एक ग्रुप से पाकिस्तान ङ्क्ष नेपाल मैच और दूसरे ग्रुप से अफगानिस्तान ङ्क्ष बांग्लादेश, अफगानिस्तान ङ्क्ष श्रीलंका और बांग्लादेश ङ्क्ष श्रीलंका मैच शामिल हैं। यानी पाकिस्तान में भारत का एक भी मैच नहीं होगा। फाइनल भी श्रीलंका में ही खेला जाएगा। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें। भारत में अक्टूबर-नवंबर में 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड होगा, 48 मैच खेले जाएंगे। इनमें से 14 ऐसे सुपर मुकाबले हैं, जिन पर सभी की निगाहें रहेंगी। पहला ही मैच पिछले वर्ल्ड कप की विजेता और उप-विजेता इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होगा। न्यूजीलैंड पिछला वर्ल्ड कप सुपर ओवर में हारी थी। ऐसे में इन दोनों टीमों का ओपनिंग मैच दिलचस्प होगा।

ऐशेज में लीड्स टेस्ट के तीसरे दिन बारिश का खलल

दूसरी पारी में कंगारू 224 पर ऑलआउट; इंग्लैंड को 251 रन का टारगेट

लीड्स। बारिश के कारण खेल रोके जाने के बाद पवेलियन लौटते दोनों टीमों के खिलाड़ी। द ऐशेज सीरीज के लीड्स टेस्ट का तीसरा दिन वर्षा बाधित रहा। दिन भर रुक-रुक बारिश होती रही। ऐसे में बार-बार खेल रोकना पड़ा, हालांकि बारिश के बावजूद यहां शनिवार को करीब 20 ओवर का खेल हुआ। स्टंप्स तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बिना नुकसान के 27 रन बना लिए हैं। टीम को जीत के लिए 251 रन का टारगेट मिला है। इंग्लिश टीम अब भी 224 रन से पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी 116/4 के स्कोर से दिन की शुरुआत की। टीम अपने स्कोर में इजाफा कर पाती कि बारिश आ गई और खेल रोकना पड़ा। कुछ देर बाद खेल शुरू हुआ तो ऑस्ट्रेलियाई टीम 84 रन बनाने में 6 विकेट गंवा दिए। ट्रेविस हेड ने 77 रन की पारी खेली, जबकि मिचेल मार्श ने 28 रनों का योगदान दिया। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के 263 रनों के जवाब में इंग्लिश टीम 237 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान बेन स्टोक्स (80 रन) टीम के टॉप स्कोरर रहे, जबकि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने 6 विकेट चटकाए। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम का टॉप आर्डर पूरी तरह फेल रहा। डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा ओपनिंग करने उतरे। वॉर्नर टेस्ट करियर में 16वीं बार स्टुअर्ट ब्रॉड का शिकार हुए। ऑफ स्टंप के बाहर आउट स्विंगर बॉल पर वार्नर सेकेंड स्लिप में जैक क्रॉले को कैच थमा बैठे। उन्होंने 4 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा 13 रन बनाकर मार्क वुड की गेंद पर बोल्ड हो गए। दूसरे टेस्ट में शतक लगाने वाले स्टीव स्मिथ 22 रन बना कर आउट हुए। वहीं मार्नस लाबुशेन 21 रन बना कर क्रिस वोक्स का शिकार हुए। इस तरह ऑस्ट्रेलिया के 4 विकेट 25 ओवर के अंदर ही गिर गए।

भारतीय विमेंस टीम की आसान जीत

पहले टी-20 में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया, हरमनप्रीत की कप्तानी पारी

ढाका। भारतीय विमेंस टीम ने बांग्लादेश दौरे का जीत से आगाज किया है। तीन टी-20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ने मेजबान टीम को 7 विकेट से हराया। बांग्लादेश ने टॉस गंवाकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 114 रन बनाए। शोरना अख्तर ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। भारत के लिए पूजा वस्त्रकार, मिन्नू मणि और शेफाली वर्मा ने 1-1 विकेट लिया। हरमनप्रीत ने अपनी पारी में 154.28 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने 35 गेंदों का सामना किया और 6 चौके और 2 चौके जमाए। हरमन ने स्मृति मंधाना के साथ तीसरे विकेट के लिए 70 और यास्तिका भाटिया के साथ चौथे विकेट के लिए नाबाद 27 रन की पार्टनरशिप की। यास्तिका 12 गेंद पर 9 रन बनाकर नाबाद रहीं। उन्होंने अपनी पारी में 1 चौका जमाया। 115 रन के साधारण टारगेट के जवाब में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। ओपनर शेफाली वर्मा बिना खाता खोले मरुफा अख्तर की गेंद पर ख्ड्ढ आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति और जेमाइमा रॉड्रिग्स ने दूसरे विकेट के लए 21 रन जोड़े। जेमाइमा 14 गेंद पर 11 रन बनाने के बाद सुल्ताना खातून की गेंद पर बोल्ड हुईं। 21 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवाकर भारतीय टीम संकट में दिख रही थी। लेकिन, इसके बाद स्मृति और हरमनप्रीत ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़कर टीम को जीत की राह पर ला दिया। स्मृति टीम को फिनिश लाइन पार नहीं करवा सकीं। उन्होंने 34 गेंदों पर 5 चौके की मदद से 38 रन बनाए। उनका विकेट सुल्ताना खातून को मिला था।

अपनी कहानी लिखना चाहते हैं नीरज चोपड़ा

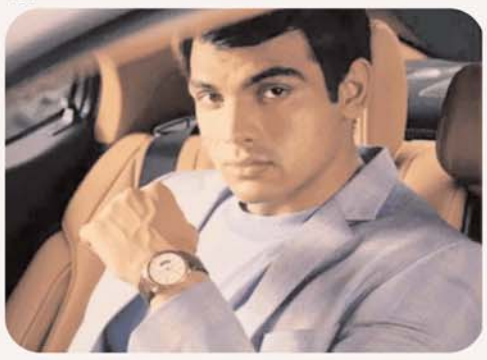

बोले- अभी वर्ल्ड चैंपियनशिप का गोल्ड बाकी; समय आने तक इंटरव्यू देने की तरह लिखना भी सीख जाऊंगा

पानीपत। ओलिंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा ने अपनी कहानी लिखने की इच्छा जताई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नीरज चोपड़ा को इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उन्हें प्यार से भारत का गोल्डन बॉय कहा जाता है, जो एक तैयार हेडिंग की तरह है। वह अपनी कहानी लिखने की योजना बना रहे हैं। लेकिन, एक वर्चुअल मीडिया इंटरेक्शन के दौरान नीरज ने कहा कि ÷मुझे लगता है कि अभी मुझे और खेलना है और अभी भी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है। अभी तो वर्ल्ड चैंपियनशिप का गोल्ड बचा हुआ है! अगले महीने बुडापेस्ट (हंगरी) में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए पूरी ताकत से तैयारी कर रहे हैं। वह वास्तव में किसी दिन भारत का गोल्डन बॉय बनने की अपनी यात्रा पर एक किताब लिखना चाहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें क्या लगता है कि किताब लिखने के लिए कौन उपयुक्त होगा, तो उन्होंने जवाब दिया कि, हमारे देश में महान लेखक हैं जो संभवतः उनकी यात्रा के बारे में लिख सकते हैं, लेकिन समय आने पर वह अपनी कहानी अपने शब्दों में साझा करना चाहेंगे। शायद तब तक वह लिखना सीख चुके होंगे। ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने इंटरव्यू में बोलना सीख लिया है। नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह खुद जूनियरों को उनके महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले फोन करते हैं और प्रेरित करते हैं। ÷मैं खुद को युवा एथलीटों के लिए भैया (बड़े भाई) के रूप में देखता हूं। चाहे सीनियर हों या जूनियर, मैं सभी का सम्मान करता हूं।% लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जब मैं विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं से मिलता हूं और उनसे बात करता हूं तो मैं व्यक्तिगत रूप से प्रेरित होता हूं। वे ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। उनकी कहानियां बताने लायक हैं। उदाहरण के लिए, मैं विशेष रूप से (लंबे जम्पर) मुरली श्रीशंकर के करीब हूं। डायमंड लीग में पांचवें स्थान पर रहने के बाद वह आसानी से मौसम को दोष दे सकता था या निराश महसूस कर सकता था। इसके बजाय वह भविष्य पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और अपने फॉर्म को बेहतर कर रहे हैं। यह मुझे आगे बढ़ने और अपने लिए व्यक्तिगत मील के पत्थर निर्धारित करने के लिए प्रेरित करता है।

गांगुली बोले- भारत और पाकिस्तान में सेमीफाइनल होगा

टीम इंडिया पर कहा- अहम मौकों पर अच्छा परफॉर्म नहीं करते, पर इस बार जीतेंगे

सौरव गांगुली ने उम्मीद जताई है कि वनडे वर्ल्ड में भारत और पाकिस्तान सेमीफाइनल खेलेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार हमारे चैंपियन बनने के आसार हैं। सौरव गांगुली शनिवार को 51 साल के हो गए हैं। सचिन तेंदुलकर ने उन्हें बर्थडे विश किया। उन्होंने दादा को दादी लिखा। कहा- दादी इकलौते इंसान हैं, जो अपना बर्थडे भी ऑफ साइड पर मनाते हैं। इससे जाहिर होता है कि उन्हें ऑफ साइड कितना ज्यादा पसंद है। सौरव ने अपने बर्थडे पर एक ऐप लॉन्च किया है। जिसका नाम सौरव गांगुली मास्टर क्लास है। इसमें वे प्लेयर्स को क्रिकेट के बारे में बताएंगे। सौरव ने एक स्पोर्ट्स वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में टीम इंडिया और वर्ल्ड कप के बारे में बात की। पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली बोले, %हम अहम मौकों पर अच्छा परफॉर्म नहीं करते। मुझे नहीं लगता कि ये मेंटल प्रेशर है, लेकिन एग्जीक्यूशन की कमी है। टीम के सभी खिलाड़ी मेंटली स्ट्रॉन्ग है, उम्मीद है कि इस बार लाइन क्रॉस करेंगे। हम ड्ड्रष्ट फाइनल के लिए क्वालिफाई तो करते हैं, ये अपने आप में एक अचीवमेंट है। हमारे पास बहुत से अच्छे खिलाड़ी हैं, इस बार चांस भी है, उम्मीद

है हम चैम्पियन बनेंगे। भारत ने 2011 में पिछली बार वनडे वर्ल्ड कप होस्ट किया और उसे जीता भी। क्या कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ पर होम वर्ल्ड कप का प्रेशर रहेगा। इस पर गांगुली बोले, %प्रेशर हमेशा ही रहेगा। पिछली बार जब देश में वर्ल्ड कप था, प्रेशर तब भी था। रोहित शर्मा ने 2019 में 5 शतक लगाए। प्रेशर तो रहेगा, लेकिन ये कोई परेशानी नहीं है। मुझे यकीन है कि टीम कोई रास्ता निकाल लेगी। राहुल द्रविड़ जब खेलते थे, प्रेशर तब भी था। अब जब वो कोच हैं तो उन पर टीम के अच्छे परफॉर्मेंस का प्रेशर है। ये कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन इससे ज्यादा दिक्कतें भी नहीं होंगी। इंटरव्यू में गांगुली ने वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल की दांवेदार टीमें भी बताईं। वह बोले, %कहना कठिन है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत। न्यूजीलैंड को भी कम नहीं मान सकते। मैं पाकिस्तान को मिलाकर पांच टीमें चुनूंगा। पाकिस्तान क्वालिफाई कर जाए तो अच्छा रहेगा, हमें ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत-पाक सेमीफाइनल तो देखने को मिलेगा। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में 16 नवंबर को वनडे वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल होगा, जबकि मुंबई में पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज का मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगा। लेकिन गांगुली का मानना है कि दोनों टीमें सेमीफाइनल में भी भिड़ेंगी।

लक्ष्य सेन कनाडा ओपन के फाइनल में

पीवी सिंधु सेमीफाइनल में बाहर, टॉप सीड अकाने यामागुची ने 21-14, 21-15 से हराया

कैल्गरी। युवा भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। कैल्गरी में जारी बैडमिंटन चैंपियनशिप में लक्ष्य ने जापान के केंता निशिमोटो को हराया। शनिवार को मेंस और विमेंस सिंगल्स कैटेगरी के सेमीफाइनल खेले गए। विमेंस सिंगल्स में भारत की पीवी सिंधु को हार का सामना पड़ा। उन्हें सेमीफाइनल में टॉप सीड अकाने यामागुची ने सीधे गेम में हराया। 21 साल के लक्ष्य ने शनिवार देर रात हुए सेमीफाइनल में जापान के केंता निशिमोटो को सीधे गेम में हराया। उन्होंने जापानी शटलर के स्ट्रॉन्ग डिफेंस को बीट करते हुए पहला गेम 21-17 के अंतर से जीता। उन्होंने दूसरे गेम में भी अच्छा फॉर्म जारी रखा और निशिमोटो को 21-14 से हराकर मैच जीत लिया। सेमीफाइनल में जीत के साथ लक्ष्य ने रविवार रात को होने वाले फाइनल में जगह बना ली है। यहां उनका सामना चीन के ली शी फेंग से होगा। फेंग ने सेमीफाइनल में जापान के कोडाई नाराकोडा को 21-8, 21-11 से हराया। लक्ष्य सेन इस साल पहली बार किसी भी बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। शनिवार रात को ही विमेंस सिंगल्स के भी सेमीफाइनल खेले गए। भारत की पीवी सिंधु को जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार मिली। यामागुची सीधे गेम में 21-14, 21-15 से जीत गईं। टॉप सीड यामागुची फाइनल में थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन से भिड़ेंगी। इंतानोन को सेमीफाइनल में अमेरिका की बीवेन झांग से वॉकओवर मिला।

गुरबाज-जदरान की सेंचुरी से जीता अफगानिस्तान

बांग्लादेश को पहली बार वनडे सीरीज हराई; फारूकी-मुजीब ने 3-3 विकेट लिए

चट्टोग्राम। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को दूसरा वनडे 142 रन से हरा दिया। चट्टोग्राम में 3 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला अफगानिस्तानी ओपनर्स के नाम रहा। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 145 और इब्राहिम जदरान ने 100 रन बनाए। दोनों ने 256 रन की पार्टनरशिप की और टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 331 रन बना लिए। 332 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम 43.2 ओवर में 189 रन पर ही ऑलआउट हो गई थी। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी और स्पिनर मुजीब-उर रहमान ने 3-3 विकेट लिए। अफगानिस्तान ने पहला वनडे 17 रन से जीता था, अब दूसरा मैच भी जीतने के बाद टीम ने 3 वनडे की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इसी के साथ अफगानिस्तान ने पहली बार बांग्लादेश को वनडे सीरीज हराई। इससे पहले दोनों के बीच 2016 और 2022 में 2 वनडे सीरीज हुई थी, दोनों में बांग्लादेश को ही 2-1 से जीत मिली थी। सीरीज का तीसरा वनडे 11 जुलाई को चट्टोग्राम में ही खेला जाएगा। वनडे के बाद दोनों टीमें 3 टी-20 भी खेलेंगी। दोनों के बीच एक टेस्ट भी खेला गया था, जिसे बांग्लादेश ने 546 रन से जीता। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान टीम को ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने 15वें ओवर में सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली।

गुरबाज ने तेजी से रन बनाए, दूसरी ओर जदरान ने संभलकर बैटिंग की। गुरबाज ने 100 गेंद पर सेंचुरी बनाई और टीम को स्कोर 200 के करीब पहुंचाया। 145 रन के स्कोर पर शाकिब अल हसन ने गुरबाज को ख्ड्ढ किया और अफगानिस्तान की 256 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप तोड़ी। गुरबाज के आउट होने के बाद एक एंड से लगातार विकेट गिरने लगे। लेकिन जदरान ने दूसरा एंड संभाले रखा, उन्होंने 119 गेंद पर 100 रन बनाए और टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचाया। दोनों ओपनर्स के बाद मोहम्मद नबी ही 15 बॉल पर 25 रन बनाकर नॉटआउट रहे। बाकी बैटर्स 10 रन का स्कोर भी पार नहीं कर सके, लेकिन टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 331 रन बना दिए। बांग्लादेश से मेहदी हसन मिराज, शाकिब, हसन महमुद और मुस्ताफिजुर रहमान ने 2-2 विकेट लिए। 332 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 25 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। फजलहक फारूकी ने 2 और मुजीब-उर रहमान ने एक विकेट लिया। 72 रन तक आते-आते टीम ने 6 विकेट गंवा दिए। यहां से मुश्फिकुर रहीम ने पारी संभाली, लेकिन अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने दूसरे एंड से लगातार विकेट निकाले। मुश्फिकुर 69 रन बनाकर आखिरी बैटर के रूप में आउट हुए और बांग्लादेश 43.2 ओवर में 189 रन बनाकर ही ऑलआउट हो गया। टीम से मुश्फिकुर के अलावा बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सके।

अगर मैं कभी प्यार में पड़ती हूं, तो मेरे लिए उम्र कोई मायने नहीं रखेगी : वंदना राव

ना उम्र की सीमा हो' में चित्रा की भूमिका निभा रहीं एक्ट्रेस वंदना राव का मानना है कि उम्र को प्यार का पैमाना नहीं बनाना चाहिए।शो ने सभी लोगों को विश्वास दिलाया है कि प्यार में कोई बाधा नहीं होती है। प्यार सच्चा हो तो उम्र कोई मायने नहीं रखती।यह पूछे जाने पर कि क्या वह कभी किसी ऐसे व्यक्ति के प्यार में पडऩा चाहेंगी जो वास्तविक जीवन में उनकी उम्र से बहुत बड़ा हो, वंदना ने कहा- बिल्कुल हां! अगर कभी प्यार हुआ, तो निश्चित रूप से मेरे लिए उम्र कभी मायने नहीं रखेगी। यह व्यक्ति और प्यार के बारे में है।क्या होगा यदि कोई व्यक्ति आपकी उम्र के आसपास है, लेकिन वह वफादार नहीं है और आपका अपमान करता है, तो क्या आप उस रिश्ते में खुश होंगे?, नहीं.. जब आप एक दूसरे के साथ प्यार में होते हैं तो उम्र कोई मायने नहीं रखती। यह आपसी समझ और आपके बिना शर्त प्यार के बारे में है।उन्होंने कहा- यह शो एक विश्वास है। यह शो निश्चित रूप से मानसिकता बदल रहा है क्योंकि लोग इसे पूरी तरह से प्यार कर रहे हैं और समाज के दबाव या उम्र के अंतर के बारे में किसी भी वर्जना के बिना प्यार को प्यार के रूप में स्वीकार करने के लिए अपने दिमाग को आकार दे रहे हैं। आखिर में केवल प्यार ही मायने रखता है।ना उम्र की सीमा हो' का प्रसारण स्टार भारत पर होता है।

गिप्पी ग्रेवाल ने बताया क्यों कैरी ऑन जट्टा 3 को देखते हैं पैन इंडिया की तरह

पंजाबी गायक और अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल इन दिनों सोनम बाजवा के साथ अपनी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 का प्रचार करने में जुटे हुए हैं। अभिनेता यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी फिल्म भारत ही नहीं विदेशी दर्शकों तक भी पहुंचने में सफल रहे हैं। अभिनेता 29 जून को रिलीज हो रही कैरी ऑन जट्टा 3 को पैन इंडिया फिल्म के रूप में देखते हैं और चाहते हैं कि पंजाबी फिल्में दुनिया भर में अपनी पहुंच बनाए। कैरी ऑन जट्टा 3 कॉमेडी फिल्म है, जिसके पहले दोनों भागों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था और ऐसे में सभी बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर मुंबई में आमिर खान और कपिल शर्मा की मौजूदगी में लॉन्च हुआ था, जिससे यह पंजाब के बाहर ट्रेलर लॉन्च करने वाली पहली पंजाबी फिल्म बन गई थी। इस दौरान सितारों ने कहा था कि इस फिल्म को दुनिया भर में ले जाना चाहते हैं। गिप्पी ने बताया कि क्यों वह कैरी ऑन जट्टा 3 को एक पैन इंडिया फिल्म के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, कोई भी फिल्म जिसे हम एक बड़े मंच पर लाते हैं, उसमें पैन इंडिया स्तर का कुछ खास होना चाहिए, जो दर्शकों को भा जाए। उन्होंने कहा, कैरी ऑन जट्टा 1 ने अपनी अलग पहचान बनाई, इसलिए दूसरा भाग दुनिया के हर पंजाबी तक पहुंचा और गैर-पंजाबी दर्शकों ने इसे पसंद किया। गिप्पी और निर्माता तीसरे भाग को पूरे भारत में रिलीज करना चाहते थे। गिप्पी ने कहा, हमने महसूस किया कि गैर-पंजाबी भाषी दर्शक या भारत के बाहर के दर्शक हमारी फिल्म को ऑनलाइन ही देखते थे।

काजोल की द ट्रायल का ट्रेलर जारी

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल को पिछली बार सलाम वेंकी में देखा गया था। यह फिल्म जी5 पर उपलब्ध है। अब काजोल ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने शनिवार को अपनी पहली वेब सीरीज द ट्रायल- प्यार कानून धोखा का ऐलान किया था। सोमवार को निर्माताओं ने द ट्रायल का शानदार ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें वह तेजतर्रार वकील, मां और पत्नी नयनिका सेनगुप्ता की भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। काजोल की द ट्रायल डिज्नी+ हॉटस्टार पर आएगी। निर्माताओं ने इसकी रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। यह सीरीज 14 जुलाई को रिलीज होगी। काजोल ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर द ट्रायल का ट्रेलर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ट्रायल सिर्फ कोर्ट रूम में नहीं, जिंदगी में भी होते हैं। नोयोनिका सेन गुप्ता का सामना देखें। उसके जीवन की सबसे कठिन परीक्षा। द ट्रायल अमेरिकी टीवी वेब सीरीज द गुड वाइफ का हिंदी रीमेक है। हाल ही में एक्ट्रेस की इस दमदार सीरीज का ट्रेलर लॉन्च किया है. ये एक कोर्ट रूम ड्रामा सीरीज है.जिसमें काजोल एक तेजतर्रार वकील, मां और पत्नी नयनिका सेनगुप्ता की भूमिका निभाने वाली हैं. जो अपनी लाइफ की परेशानियों से जूझती हुई नजर आने वाली हैं. इस ट्रेलर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार के इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया गया है. जिसके कैप्शन में लिखा गया है- परीक्षा जितनी कठिन होगी, वापसी उतनी ही कठिन होगी..'.बता दें कि इस सीरीज का ऐलान करने के लिए काजोल ने एक तगड़ा पब्लिसिटी स्टंट खेला था. दरअसल एक्ट्रेस ने इसके लिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक क्रिप्टिक नोट शेयर कर सोशल मीडिया से ब्रेक लेने का ऐलान किया था।

सुदीप्तो सेन करेंगे सुब्रत रॉय की बायोपिक का निर्देशन

सुदीप्तो सेन पिछले कुछ समय से अपनी फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जो अपनी रिलीज के 5 हफ्ते बाद भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। अब निर्देशक ने सहारा इंडिया परिवार के संस्थापक सुब्रत रॉय पर बायोपिक बनाने की घोषणा कर दी है। सहाराश्री नाम की इस फिल्म का पहला लुक जारी कर दिया गया हैं। हालांकि, अभी फिल्म में मुख्य अभिनेता कौन होगा, इसका ऐलान नहीं हुआ है। 10 जून को बिजनेस टाइकून रॉय के जन्मदिन के मौके पर निर्माता संदीप सिंह और डॉ. जयंतीलाल गडा ने सहाराश्री के लिए निर्देशक सेन के साथ हाथ मिलाया है। इस बायोपिक में रॉय के जीवन के हर पहलू से लोगों को रूबरू कराया जाएगा। इसमें उनके एक मामूली शख्स रहते हुए संघर्ष करने से लेकर भारत के सबसे प्रभावशाली और गतिशील व्यक्ति बनने की दास्तां को दिखाया जाएगा, जिसके बारे में हर कोई जानता है। पेन इंडिया लिमिटेड ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर फिल्म का फर्स्ट लुक साझा किया है। इस 36 सेकंड के वीडियो में एक व्यक्ति हाथ में रॉय द्वारा हस्ताक्षर किए भारत के लोगों के लिए 25 हजार करोड़ के चेक को लिए खड़ा है। व्हाइट शर्ट, टाई पर सहारा का लेबल और ब्लू ब्लेजर पर भारत का झंडा लगाए इस व्यक्ति के चेहरे को वीडियो में नहीं दिखाया गया, वहीं उनके पीछे हजारों लोगों की भीड़ नजर आ रही है। सहाराश्री की शूटिंग महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, कोलकाता और लंदन में की जाएगी, वहीं इसे अलगे साल तक लाने की योजना है। यह फिल्म पैन इंडिया होगी और हिंदी के साथ ही बंगाली, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी।

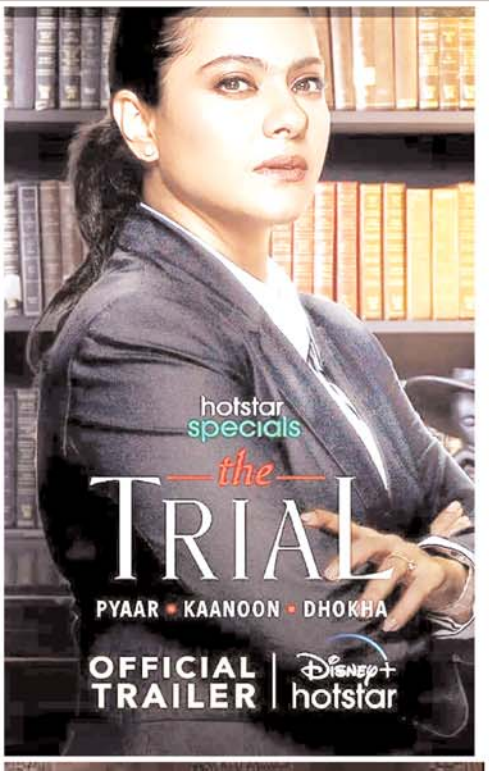

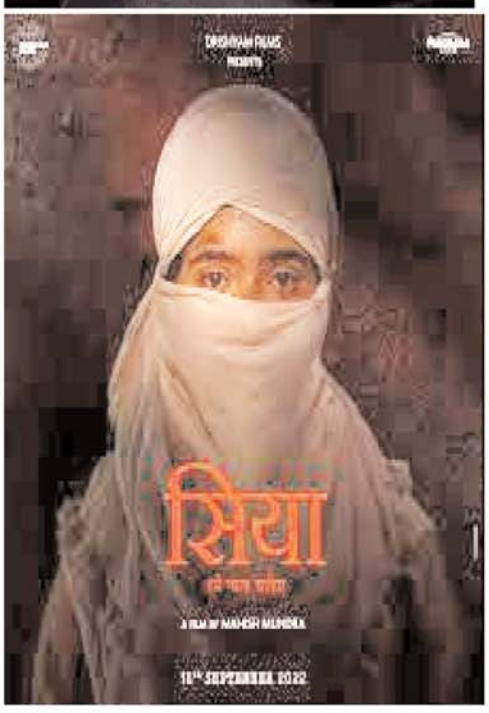

फिल्म सिया का ट्रेलर रिलीज

फिल्म सिया का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसमें पूजा कपूर और विनीत सिंह अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसका प्रीमियर 16 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर किया जाएगा। सिया मनीष मुंद्रा के निर्देशन में तैयार हुई पहली फिल्म है। इससे पहले वह न्यूटन, मसान और आंखों देखी जैसी बेहतरीन फिल्मों का निर्माण कर चुके है। फिल्म सिया देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों पर आधारित है और एक छोटे कस्बे से ताल्लुक रखने वाली लड़की सिया की कहानी है। जी5 ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर सिया का ट्रेलर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, एक ऐसी लड़की की कहानी देखने के लिए खुद को तैयार करें जो न्याय की खोज में समाज और व्यवस्था को चुनौती देती है और आपको मंत्रमुग्ध कर देती है। सिया का जी5 पर 16 जून को प्रीमियर होगा। सिया में कई ऐसे दृश्य हैं, जो समाज को आईना दिखाते हैं। फिल्म का निर्माण दृश्यम

'गदर 2' की रिलीज से पहले अमीषा पटेल ने लगाए डायरेक्टर पर गंभीर आरोप

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और एक्ट्रेस अमीषा पटेल की आगामी फिल्म 'गदर 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है. जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज डेट पास आ रही है वैसे-वैसे ही फैंस के बीच इसको लेकर उत्सुकता बढ़ रही है. लोग तारा और सकीना की कहानी को एक बार फिर बड़े पर्द पर देखने का काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हालांकि फिल्म के रिलीज से पहले ही अभीनेत्री अमीषा पटेल ने इसके डायरेक्टर अनिल शर्मा पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल एक्ट्रेस अमीषा ने एक के बाद एक कई ट्वीट्स करके अपनी भड़ास निकाली है. इसके अलावा उन्होंने उस सीन का भी खुलासा किया है जिसमें सनी देओल एक कब्र के पास बैठकर रोते दिखाई देते हैं. इस सीन को देखने के बाद लग रहा था कि फिल्म में सकीना की मौत हो जाएगी, लेकिन एक्ट्रेस ने बताया है कि यह सकीना की डेड बॉडी नहीं है. साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि वह अभी खुलासा नहीं कर सकतीं कि यह डेड बॉडी किसकी है। बता दें कि, अमीषा पटेल ने अपने एक ट्वीट में खराब व्यवस्था पर भी बात की है. उन्होंने लिखा, 'ठहरने की व्यवस्था से लेकर शूट के आखिरी दिन चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर जाने और खाने के बिल तक का कोई भुगतान ही नहीं किया गया था. कई कास्ट और क्रू मेंबर्स को तो कार तक नहीं मिली थी लेकिन जी स्टूडियोज ने एंट्री की और इन सभी समस्याओं का हल कर दिया. जो कि अनिल शर्मा प्रोडक्शंस की वजह से खड़ी हुई थीं। अमीषा पटेल के आरोपों पर अभी तक फिल्म से जुड़े किसी और स्टार ने बात नहीं की है. बहरहाल फिल्म बड़े पर्दे पर 11 अगस्त को रिलीज होगी, जिसका निर्देशन अनिल शर्मा ने किया है।

हद से ज्यादा बोल्ड हैं टीवी की संस्कारी बहू शिवांगी जोशी

टीवी की नायरा उर्फ शिवांगी जोशी ने ये रिश्ता क्या कहलाता है में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर राज किया है। वहीं, इन दिनों एक्ट्रेस अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाने में लगी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की है। इन फोटोज में एक्ट्रेस की हुस्न की बेबाकी थमनें का नाम नहीं ले रही हैं। छोटे पर्दे से करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस शिवांगी जोशी आज टीवी की जानी-मानी स्टार बन चुकी हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरने लग जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉटनेस भरे अंदाज में फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में शिवांगी जोशी ने ग्रीन कलर का थाई स्लिट ड्रेस पहना हुआ है। एक्ट्रेस की इन फोटोज को देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। दरअसल, शिवांगी जोशी की ये तस्वीरें अवॉर्ड फंक्शन की हैं। इस इवेंट के दौरान एक्ट्रेस के लुक पर फैंस की निगाहें टिकी की टिकी रह गईं। कानों में इयररिंग्स, बालों को बांध कर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। शिवांगी जोशी अपनी इन फोटोज में प्यारी सी स्माइल देते हुए फैंस को अपना दीवाना बनाती नजर आ रही हैं।

ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित होगी भूमि पेडनेकर और नवाजुद्दीन की अफवाह

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और भूमि पेडनेकर स्टारर फिल्म अफवाह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। सुधीर मिश्रा द्वारा निर्देशित, राजनीतिक थ्रिलर का उद्देश्य अफवाह फैलाने वालों को कम करना और नकली समाचारों के प्रसार से निपटना है। अफवाह सिनेमाई रूप से समृद्ध है और इसमें एक मनोरंजक कहानी भी शामिल है। फिल्म में राजनीतिक शक्ति, मीडिया का काला पक्ष, भ्रष्टाचार और लोभ जैसे तत्वों को दर्शाया गया है। इन विषयों को निर्देशक सुधीर मिश्रा ने उपदेशात्मक न होते हुए बहुत सूक्ष्म तरीके से आत्मसात किया है। फिल्म में अप्रत्याशित मोड़ और मोड़ निश्चित रूप से दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेंगे और यह जल्द ही नेटफ्लिक्स पर शुरू होने वाली है। फिल्म में, दर्शकों को शमीर टंडन द्वारा रचित और मामे खान और सुनेत्रा बनर्जी द्वारा गाए गए एक अत्यंत आत्मा-उत्तेजक गीत आज ये बसंत से भी अवगत कराया गया है। यह गाना ट्रेलर के सार को पकड़कर फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाता है। इसमें एक अफवाह का नतीजा बताया गया है जिसमें भूमि पेडनेकर और नवाजुद्दीन सिद्दीकी पूरे शहर के निशाने पर आ जाते हैं। अफरा-तफरी के बीच जीवन-मौत से जूझ रहे हैं। संगीत निर्देशक शमीर टंडन ने कहा, सुधीर ने मुझे इस गीत के लिए इसलिए चुना क्योंकि उन्हें बहुत अधिक गंभीरता और गहराई वाले गीतों की आवश्यकता थी और वे जानते थे कि मैं इसे अच्छी तरह से कर पाऊंगा। मैंने मामे खान से इसे कुछ स्वाद देने के लिए अपनी आवाज देने के लिए कहा। मैंने उनसे पूरी फिल्म में आलाप भी करवाए, इसलिए फिल्म की पृष्ठभूमि विशेष रूप से मंत्रमुग्ध करने वाली है। मैं इस अविश्वसनीय और प्रेरक फिल्म की पटकथा सुनने और शीर्षक ट्रैक- आज ये बसंत की रचना करने के लिए अत्यधिक उत्साहित था। इस प्रकार की फिल्में पारंपरिक प्रेम गीतों या पार्टी ट्रैक्स से प्रस्थान की मांग करती हैं। संगीत को बुद्धिमत्ता के साथ पेश किया जाना था, फिल्म की कहानी को पूरक और बढ़ाने के लिए सावधानी से तैयार किया गया था। राजस्थानी गायक होने के नाते, मामे खान आमतौर पर उच्च स्वर में गाती हैं। अफ़वाह के लिए, समीर ने खान को आज ये बसंत के लिए कम सप्तक में गाने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके गाने की प्रस्तुति ने निर्देशक सुधीर मिश्रा से प्रशंसा अर्जित की, जिन्होंने कहा कि वह इसे पार्क से बाहर हिट करते हैं!

गार्वेज शुल्क का युक्तियुक्तकरण और बकाया जलकर माफ करने में बाधा बनी भाजपा:महापौर

महापौर निधि लगभग 60 लाख रूपये से होगा सड़कों का निर्माण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने कहा है कि हम मेयर इन कॉउसिंल में गार्वेज शुल्क का युक्तियुक्तकरण करने एवं बकाया जलकर माफ करने का निर्णय बहुत पहले कर चुके है और उसे परिषद में पास कराने के लिये संकल्प और ठहराव आयुक्त को भेजे गये, मगर भाजपा के दबाब में जनता को राहत देने वाले दोनों निर्णयों को परिषद में नही भेजा गया। इन सब मुद्धों को लेकर हमने पिछले दिनों फूलबाग पर धरना भी दिया था। यह बात उन्होंने आज नारायण विहार कॉलोनी में महापौर निधि 60 लाख रूपये से अधिक राशि से बनने वाली सड़कों के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मौजूद जनता से चर्चा के दौरान कही। महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि सीवर, सड़क और स्ट्रीट लाईट एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिये हम लगातार प्रयासरत है और जन आकांक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुये विकास कार्यों को गति दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ लोग जान बूझकर मेयर इन कॉउसिंल द्वारा लिये गये जनहित के फैसलों में लम्बे

समय से अंडगा डालने का काम कर रहे हैं, जिसे आप सब जानते हैं। जनहित के मामलों को लेकर हम फिर जनता के बीच जायेंगे धरना, प्रदर्शन, आंदोलन जो भी करना पड़ा, हम करेंगे मगर चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि मेयर इन कॉउसिंल के फैसले जनहित में किये गये हैं, फिर इन्हे भाजपा रूकवाने का काम क्यों कर रही है। इस मौके पर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि हम सकारात्मक रूप से शहर के विकास के लिये काम कर रहे है और भाजपा के लोग विकास के नाम पर सिर्फ घडियाली आंसू बहाते हैं। आप लोगों की मांग पर नारायण विहार कॉलोनी में स?कों का निर्माण कराया जा रहा है और भी जो समस्यायें होगीं उनका भी निदान तत्परता से कराया जायेगा। डॉ. सिकरवार ने कहा कि भाजपा के लोग बहुत ज्यादा समय तक जनहित के मामलों में आएगा नही डाल पायेंगे क्योंकि प्रदेश में कमलनाथ जी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है और जनता ने भी भाजपा को जबाब देने के लिये पूरी तरह मन बना लिया है।कार्यक्रम में एम.आई.सी के प्रभारी सदस्य अवधेश कौरव, कार्यकारी अध्यक्ष चतुर्भुज धनोलिया, पार्षद अंकित कठठूल, राजेश तोमर, बृजेन्द्र सिंह तोमर, जहान सिंह तोमर, गौरव सिकरवार, विजय बहादुर त्यागी, सौदान सिंह तोमर, राजेश सिकरवार, रघुवीर तोमर, राजवीर तोमर, करन प्रजापति, सोनू प्रजापति, सतेन्द्र नागर, राकेश शर्मा, उदयभान सिकरवार, अर्जुन भदौरिया, महेश तोमर, अक्कू कुशवाह, राकेश यादव, देशराज त्यागी, श्रीमती रेणु चौहान आदि मौजूद रहे।

प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वकर्मा जन संगठन म. प्र. एवं कार्यालय मंत्री भाजपा मंडल मौ आश्रम स्वर्ग सदन ग्वालियर एवं कई जगह पर डॉक्टर बेताल सिंह गौड़ का मनाया गया जन्म दिन

विश्वकर्मा जन संगठन को खड़ा करने वाले युवाओं के दिलों की धड़कन , समाज के सुख दुख में साथ देने वाले, शिक्षित ,संघर्षशील जनप्रिय समाजसेवी

उप संपादक महेंद्र शर्मा
पुष्पांजलि टुडे

डॉ. बेताल सिंह गौड़ मौ से ग्वालियर आश्रम सेवा सदन में शाम 4ः00 बजे स्वल्पाहार वितरण करके सभी अनाथ बेसहारा लोगों एवं विश्वकर्मा जन संगठन के क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं के बीच बड़ी धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया एवं पुरुषोत्तम बनोरिया जी ने अपने निज निवास पर स्वागत कर जन्मदिन मनाया और समस्त मौ मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद उपाध्यक्ष के नेतृत्व में सभी भाजपा क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं के बीच होटल में केक काटकर जन्मदिन मनाया गया एवं 10 वृक्षारोपण लगाकर पर्यावरण सुरक्षित का संकल्प लिया डॉ. बेताल सिंह गौड़ ने सभी क्षेत्रवासी और समाज बंधुओं से बहुत-बहुत धन्यवाद बोलकर आभार प्रकट किया कहा कि हम सदा आप सभी के ऋणी रहेंगे और समाज हित एवं अनाथ बेसहारा लोगों की मदद हमेशा करते रहेंगे

प्रेस क्लब में पत्रकारों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिवर 14 को

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । ग्वालियर प्रेस क्लब और मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के सयुक्त तत्वाधान में दिनांक 14 जुलाई शुक्रवार सुबह 9ः30 बजे फूलबाग स्थित प्रेस क्लब भवन में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन सिम्स मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल केंसर हिल्स ग्वालियर द्वारा आयोजित किया जाएगा। पत्रकारों के निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में सिम्स हॉस्पिटल के संचालक डाक्टर नीरज शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहेंगे । यह जानकारी देते हुए ग्वालियर प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेश शर्मा सचिव सुरेश शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में नेत्र परीक्षण , ई सी जी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, पल्स,आदि की जांच डाक्टर व्ही के गुप्ता और उनकी टीम द्वारा की जाएगी ।सभी पत्रकार साथियों से अनुरोध है कि अपने परिवार के साथ स्वास्थ परीक्षण शिविर का लाभ उठाए।

महिला एवं बच्चो के विरुद्ध घटित अपराधो एवं अनुसंधान में एक दिवसीय कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

पंकज त्रिपाठी

. पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार आज दिनांक 10/07/2023 को प्रातः 10ः 30 सायं 5 बजे तक पुलिस कंट्रोल रूम भिंड में पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में महिला एवं बच्चो के विरुद्ध घटित अपराधो एवं अनुसंधान में एक दिविसीय कोशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, प्रशिक्षण कार्यशाला में जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस , समस्त थाना प्रभारी, समस्त ऊर्जा डेस्क संचालिकाए, चिकित्सा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन पश्चात कार्यशाला के मुख्य अतिथि माननीय जिला न्यायाधीश पॉक्सो श्री मनोज कुमार तिवारी द्वारा महिला एवम बच्चो के विरुद्ध घटित अपराधो के अनुसंधान में पाई जाने वाली प्रमुख त्रुटियों एवम दोषमुक्ति के कारणों पर प्रकाश डाला गया । न्यायाधीश द्वारा जिले की कई केस स्टडीज पर चर्चा की गई , इसी क्रम में जिला भिंड चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डाक्टर पुलक

जेसवानी द्वारा महिला अपराधो की पीड़ता एवम साक्षी के साथ अनुसंधान के दौरान किए जाने वाले व्यवहार, एवम संवेदनशीलता पर चर्चा की गई साथ ही ,पीड़ता की एमएलसी एवम डीएनए करवाही के दौरान किन तथ्यों को अनुसंधान में सहयोग हेतु एकत्रित किया जाए, पर प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात जिला अभियोजन अधिकारी भिंड अरविंद श्रीवास्तव द्वारा महिला संबंधी अपराधो की एफआईआर लेखन में समुचित धाराओं का समावेश इत्यादि पर प्रशिक्षण दिया गया , साथ ही जिले के सहायक अभियाजन अधिकारी शैलेंद्र शर्मा द्वारा पॉक्सो एक्ट 2012 के प्रमुख प्रावधान उनकी चुनौतियों एवम समाधान के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।इसी क्रम में डीएसपी महिला सुरक्षा शाखा जिला भिंड श्रीमती पूनम थापा शर्मा द्वारा महिला हेल्प डेस्क के उद्देश्य, उनकी कार्यप्रणाली , पंजी संधारण एवम ऊर्जा डेस्क को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने हेतु निर्देशित किया गया । कार्यक्रम समाप्ति के दौरान पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री द्वारा महिला एवम बच्चो के विरुद्ध घटित अपराधो की संवेदनशीलता , एवम अपराधो का पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्धारित समय सीमा में अपराधो का निराकरण करने हेतु निर्देशित किया , कार्यशाला समाप्ति के पश्चात समस्त एसडीओपी, समस्त थाना प्रभारी , समस्त ऊर्जा डेस्क प्रभारी को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, साथ ही सभी व्याख्यातायो को स्मरण चिन्ह वितरित किए गए।।

विद्यार्थी परिषद के 75 वर्ष पूरे होने पर गोहरापदर के कार्यकर्ताओं ने निकाली मशाल यात्रा,भारत माता की आरती के पश्चात पटाखे फोडकर,मिठाई खिलाकर मनाया स्थापना दिवस

संवाददाता हेमचंद नागेश

गोहरापदर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गोहरापदर द्वारा संगठन के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इकाई गोहरापदर के कार्यकर्ताओं द्वारा नगर में मशाल यात्रा निकाली गई।नगर के हृदय स्थल बजरंग चौक में भारतमाता की आरती की गई।पटाखे फोड़कर सभी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाते हुए स्थापना दिवस की शुभकामनायें दीं।इस दौरान नगर मंत्री क्षितिजनारायण तिवारी ने कहा की विद्यार्थी परिषद बीते 75 वर्षों से छात्रहित और राष्ट्रहित के उद्देश्य के साथ कार्य करते आ रही है।अपने 75 वर्षों की इस ध्येययात्रा में संगठन ने लगातार संघर्ष किया और परिणाम के नारे के सार्थक

बनाया और इसी का नतीजा है की हैं।ठीक करेंगे तीन काम प्रवेश,परीक्षा संगठन होने के साथ समाज के प्रति हम आज विश्व के सबसे बड़े छात्र अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए संगठन के रूप में जाने जाते है।छात्र अभाविप राजनीति से परे राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए समाज को जागरूक और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।आजादी के अमृत महोत्सव में हमने बहुत सी संकल्प लिए थे इस तारतम्य में अभाविप अपने अमृत महोत्सव में भी में नए संकल्प लेकर कार्य करेगी।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सहमंत्री लिकेश नागेश,ठाकुर पाथर,महाविद्यालय प्रमुख भक्तचरण दौरा,एसएफडी प्रमुख चंचल कुमार,केशव अग्रवाल,रूपेश यादव,गिरीश माँझी,गुनधर चक्रधारी,पीताम्बर दौरा,गौरव साहू,घनश्याम यादव,मनीष सिन्हा,सौरव साहू आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवभोग रद्दी अखबार में खाद्य सामग्री परोसने पर रोक लगाने प्रेस कल्ब ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता हेमचंद नागेश

प्रेस कल्ब देवभोग ने रद्दी अखबार में खाद्य सामग्री बेचने पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर आज एसडीएम अर्पिता पाठक को ज्ञापन सोपा है।प्रेस कल्ब ने ज्ञापन में बताया की अखबार के प्रिंटिंग में इस्तेमाल किए जाने वाले इंक में घातक केमिकल के घटक होनें के कारण यह कैंसर का कारण बनता है।कई राज्यों में इस पर सामग्री परोसना प्रतिबंध है,लेकिन जिले में इसका उपयोग होटलों में जम कर हो रहा है। स्कूलों के आस पास भी खोले गए खोमचे में छात्रों को बेचे जाने वाले नाश्ता भी पेपर में लपेट कर दिया जा रहा है।क्लब ने जागरूकता अभियान के साथ साथ दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग किया है।एस डी एम अर्पिता पाठक ने मामले में जल्द ही सज्ञान लेने का भरोसा दिलाया है।

उपलब्ध हैं।
फाइनेंस / लोन / होम लोन
ग्वालियर मुरैना बामोर गोहद मालनपुर डबरा इत्यादि जगह में आप मकान खरीदने ओर प्लॉट खरीद कर मकान बनाने के लिए लोन के हैं जरुरत तो करें हमसे संपर्क।
संपर्क करें
07974596469

प्रो. अमित मो. 7772843302 9617243208
श्री हनुमते नमः
प्रो. दीपक मो. 9639422665 7024015532
जय दंदरौआ सरकार इन्टरप्राइजेज
डिस्पोजल
दोना पत्तल, डिस्पोजल प्लेट, ग्लास, पत्ते वाली पत्तल, दोने
निर्माता एवं थोक विक्रेता
शादी, पार्टी एवं अन्य शुभ कार्यो आदि में सभी सामान फैक्ट्री रेट पर उपलब्ध है

पुष्पांजली टुडे
आम सूचना / कोर्ट नोटिस
साइज फिक्स रूपये
8×4 cm 1120
10×4 cm 1400
12×4 cm 1680
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

पुष्पांजली टुडे
गुमशुदा / खोया -पाया
नाम परिवर्तन
साइज फिक्स रूपये
8×4 cm 1050
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478